mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-90 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

03 अप्रैल 2025 गुरुवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

ईशान किशन को ...

@ पेज 7

4 साल में मुस्लिम समझ जाएंगे बिल के फायदे, अब मिलीभगत नहीं चलेगी

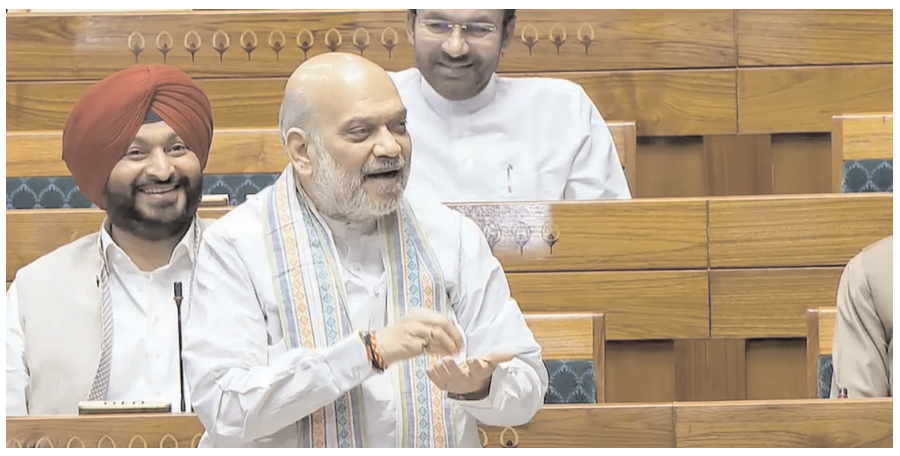

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में अमित शाह वक्फ संशोधन विधेयक पर बोल रहे हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, वक्फ में पहले तो कोई गैर इस्लामिक सदस्य आएगा ही नहीं। ना मुतवल्लिक गैर इस्लामिक

● वक्फ संशोधन विधेयक पर बोले अमित शाह

होगा और ना ही कोई दूसरा गैर इस्लामी होगा। अमित शाह ने इसपर आगे कहा कि वक्फ धार्मिक हुआ, वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद धार्मिक नहीं है। विरोधी दलों द्वारा वोटबैंक के लिए मुसलमानों को भड़काया जा रहा है। आप लोग (विपक्षी दल) देश को तोड़ दोगे। मैं मुसलमानों से कहना चाहता हूं कि आपके वक्फ में कोई भी गैर मुसलमान नहीं आएगा। लेकिन जो वक्फ बोर्ड है और वक्फ परिषद है, उसे लेकर हम प्रावधान लेकर आए हैं, ताकि वक्फ के नाम पर औने-पौने दाम में संपत्तियों को 100-100 साल के लिए किराए पर देने वालों को पकड़ना और उन्हें निकालना इस बिल का उद्देश्य है। वक्फ का पैसा जो चोरी होता है ना उसे पकड़ने का काम वक्फ परिषद करेगा। ये चाहते हैं कि इनके राज में जो मिलीभगत चल रही थी, वो चलती रहे। लेकिन ये नहीं चलने देंगे हम। अमित शाह ने कहा कि 2013 में वक्फ का जो संशोधन आया। अगर वो नहीं किया गया होता तो ये बिल लाने की जरूरत नहीं पड़ती। 2014 में चुनाव आने वाला था और 2013 में रातों रात वक्फ कानून को एक्स्ट्रीम बनाया गया। इसके कारण हुआ ये कि दिल्ली लुटियन की 123 वीवीआई संपत्ति कांग्रेस सरकार ने जब चुनाव मुहाने पर थे, 25 दिन दूर था तो वक्फ को देने का काम किया। दिल्ली वक्फ बोर्ड ने उत्तरी रेलवे की भूमि वक्फ के नाम घोषित कर दी। 250 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले 12 गावों पर वक्फ का स्वामित्व हो गया। तमिलनाडु के 1500 पुरानी तिरुचेंदुरई मंदिर की 400 एकड़ संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित कर दी गई। कर्नाटक मणिपट्टी समिति की रिपोर्ट कहती है कि 29 हजार एकड़ भूमि वक्फ भी, बिजनेस के उपयोग के लिए किराए पर दे दी गई। अमित शाह ने आगे कहा कि बेंगलुरू में 602 एकड़ भूमि को जब्त करने से रोकने के लिए न्यायालय को बीच में पड़ना पड़ा। इसके अलावा 500 करोड़ रुपये जिस भूमि की कीमत है, वहां 5 स्टार होटल को महीने का 12 हजार रुपये लेकर किराए पर जमीन दे दी गई है। ये जमीन चोरी के लिए नहीं है। इसे हम रोकेंगे और जो इसके ठेकेदार बैठे हैं, उनको लगता है कि इससे वो जीत जाएंगे। आज देश के कई चर्च और चर्च के समूह वक्फ बिल का समर्थन कर रहे हैं। उनको लगता है कि इसका विरोध करके हम मुस्लिम भाईयों का सिंपथी जीतकर अपना वोटबैंक पक्का करेंगे। क्योंकि 4 साल में मुस्लिम भाईयों को मालूम पड़ जाएगा कि ये कानून उनके ही फायदे का है।

संक्षिप्त समाचार

5 दिन बाद मलबे से जिंदा निकला शख्स

बैंकॉक (एजेंसी)। : म्यांमार में शुक्रवार को आए महाविनाशकारी भूकंप में एक जिंदगी से मौत भी हार कर गई है। आपको जानकर हैरानी होगी कि राहत और बचाव दलों ने एक शख्स को मलबे से 5 दिन बाद जीवित निकाला है। 26 साल का यह युवक म्यांमार की राजधानी नेपीडॉ के एक होटल की बिल्डिंग के नीचे मलबे में दब गया था। मगर आज बुधवार को शख्स को रेस्क्यू टीम ने जिंदा देखा तो वह भी हैरान रह गई। मलबे से निकालने के बाद युवक को तत्काल इलाज के लिए ले जाया गया है। म्यांमार में आए 7.7 तीव्रता के सदी के सबसे भीषण भूकंप में

अब तक करीब 2700 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी यह संख्या और अधिक बढ़ने की आशंका जाहिर की जा रही है। म्यांमार में भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही हुई है। इस भूकंप ने पूरे इलाके को तहस-नहस कर दिया। इसमें बड़ी-बड़ी इमारतों, घरों, मंदिरों, पुलों और राजमार्गों को तहस-नहस कर दिया। म्यांमार में सत्तारूढ़ जुंटा ने कहा कि देश की अग्निशमन सेवा और तुर्की के बचाव दल की संयुक्त टीम ने आधी रात के बाद राजधानी नेपीडॉ में एक होटल की इमारत के खंडहरों में 26 साल के युवक को जीवित पाया है। म्यांमार के सैन्य शासक मिन आंग ह्लाइंग ने कहा मानवीय एजेंसियों ने अन्य देशों से मानसून की बारिश से पहले सहायता बढ़ाने का आग्रह किया है। भूकंप का केंद्र मांडले और सागाइंग शहर था, जहां भूकंप से बचे लोग सड़क पर सो रहे थे, मलबे के नीचे दबी लाशों की बदबू आपदा क्षेत्र में फैल रही है।

राहत सामग्री ले जा रहे चीनी रेड क्रॉस के काफिले पर हमला

बैंकाक (एजेंसी)। म्यांमार में सेना से लड़ रहे 'थ्री ब्रदरहुड अलायंस' से जुड़े एक विपक्षी मिलीशिया ने दावा किया कि सेना ने मंगलवार देर रात चीनी रेड क्रॉस के नौ वाहनों के एक राहत काफिले पर गोलीबारी की। बता दें कि इस काफिले में मांडले शहर के लिए राहत सामग्री ले जायी जा रही थी, जहां गत शुक्रवार को दोपहर 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था और हजारों इमारतें ध्वस्त हो गई थीं, पुल ढह गए थे और सड़कें उखड़ गई थीं। ऐसे में राहत सामग्री ले जा रहे चीनी रेड क्रॉस पर हमले ने तूल पकड़ लिया है। हालांकि म्यांमार सेना का कहना है कि चीनी रेड क्रॉस ने अपने मूवमेंट की पूर्व जानकारी नहीं दी थी।

सरकारी टेलीविजन एमआरटीवी के अनुसार म्यांमार के भूकंप में अब तक 2,886 लोगों की मौत हो चुकी है और 4,639 अन्य घायल हुए हैं, लेकिन स्थानीय मीडिया ने हताहतों की संख्या अधिक संख्या बताई है। 'थ्री ब्रदरहुड अलायंस' ने मानवीय सहायता को सुगम बनाने के वास्ते मंगलवार को एकतरफा एक महीने के संघर्षविराम की घोषणा की थी। हालांकि भूकंप के बाद से हमले जारी हैं। हाल ही में, ब्रदरहुड अलायंस से संबंधित एक विपक्षी विद्रोही ने बताया कि सेना ने मंगलवार देर रात शान प्रांत के उत्तरी हिस्से में ओह्न माटी गांव के पास एक सड़क पर चीनी रेड क्रॉस के नौ वाहनों के राहत काफिले पर गोलीबारी की। तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी ने कहा कि चीनी रेड क्रॉस मांडले के लिए राहत सामग्री ले जा रहा था और उसने सेना को अपने मार्ग की जानकारी दी थी। सैन्य शासन के प्रवक्ता मेजर जनरल जॉ मिन तुन ने सरकारी एमआरटीवी को हालांकि बताया कि काफिले ने समय से पहले अपने मार्ग के बारे में अधिकारियों को सूचित नहीं किया था।

मुंबई में दौड़ेंगी ई-बाइक टैक्सी

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने मंगलवार को कम से कम एक लाख की आबादी वाले शहरों के लिए इलेक्ट्रिक-बाइक टैक्सी की शुरुआत को मंजूरी दे दी। इस कदम से 15 किलोमीटर तक की यात्रा करने वाले एकल यात्रियों को लाभ होगा और यह मुंबई के अलावा राज्य के कई अन्य शहरी केंद्रों में भी लागू होगी। इस सेवा के शुरू होने से आम लोगों को लोकल ट्रेन, मेट्रो, बेस्ट, टैक्सी, ऑटो के बाद ई-बाइक टैक्सी का एक और नया विकल्प मिलेगा।

10,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद: राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने कहा कि इस कदम से मुंबई महानगर क्षेत्र में 10,000 से अधिक और राज्य के बाकी हिस्सों में भी इतनी ही नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आगे और पीछे बैठने वाले के बीच उचित विभाजन और मानसून के लिए छत वाली ई-बाइक को लोगों को ले जाने की अनुमति दी जाएगी। सरनाइक ने सहयाद्री गेस्ट हाउस में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की साप्ताहिक बैठक के बाद यह घोषणा की। इसमें प्रमुख शहरी क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक-बाइक टैक्सियों को पेश करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने सिर्फ ई-बाइक टैक्सियों को पेश करने की नीति को मंजूरी दी है। एक राजस्व मॉडल को अंतिम रूप दिया जा रहा है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। मंत्री ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा और किफायती किराया प्राथमिकता होगी।

'बाइक टैक्सी' आमतौर पर एक सवारी-सेवा को संदर्भित करती है जो यात्रियों को लाने-ले जाने के लिए मोटरसाइकिल या अन्य दोपहिया वाहनों का उपयोग करती है। मंत्री ने कहा, ÷सरकार द्वारा प्रमाणित निगम और बोर्ड से जुड़े ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों के बच्चे ई-बाइक टैक्सी के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्हें 10,000 रुपये की सहायता दी जाएगी, और वे शेष धनराशि ऋण के माध्यम से जुटा सकते हैं।÷

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा

'ये हिंदुस्तान है कोई पाकिस्तान-तालिबान नहीं, मुगलिया फरमान नहीं चलेगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश हो गया है। इस बिल पर लगतार चर्चा जारी है। वक्फ विधेयक पर विपक्ष दलों की आपत्ति को लेकर भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा है। अनुराग ने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति करने का और वक्फ बोर्ड पर भी जमीनों पर कब्जे का आरोप लगाया। है। अनुराग ठाकुर ने साफ तौर पर ये भी कह दिया कि ये हिंदुस्तान है कोई पाकिस्तान-तालिबान नहीं। यहां मुगलिया फरमान नहीं चलेगा। आइए जानते हैं कि अनुराग ठाकुर ने इस बिल को लेकर और क्या कुछ कहा है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा- ÷एक ओर विपक्ष हाथ में लाल सी किताब लेकर चलते हैं जो कहने को तो संविधान है लेकिन वह संविधान नहीं है। अगर आप संविधान की कॉपी को देखेंगे तो आपको एहसास होगा कि बाबा साहब अंबेडकर ने कहा था कि एक देश में एक ही संविधान रहेगा। आपने एक देश में दो विधान बनाने का काम किया है। आपको

तय करना होगा कि आपको वक्फ के साथ रहना है या संविधान के साथ। जो बड़ी-बड़ी बात कर रहे हैं उनको मैं यही कहना चाहता हूं कि ये हिंदुस्तान है कोई पाकिस्तान या तालिबान नहीं। यहां बाबा साहब का संविधान चलेगा, यहां मुगलिया फरमान नहीं चलेगा। एक नहीं ऐसे अनेक उदाहरण देखने को मिलेंगे। आज हम केवल संविधान संशोधन पर चर्चा नहीं कर रहे। एक ऐसे समानांतर सत्ता को चुनौती दे रहे हैं जो कि दशकों से अनियंत्रित रूप से अस्तित्व में है।÷ भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा- ÷वक्फ संशोधन 2025 केवल कानून में बदलाव नहीं बल्कि एक संदेश है कि देश में एक ही कानून चलेगा वो है भारत का संविधान, संविधान के ऊपर कुछ भी नहीं। वक्फ बोर्ड का उद्देश्य मुस्लिम समुदाय के कल्याण के लिए संपत्तियों का प्रबंधन करना था। लेकिन कांग्रेस और इसके सहयोगी दलों ने इस भूमि को अपारदर्शी और गैर जिम्मेदाराना तरीके से राजनीतिक संरक्षण देते हुए ऐसा साम्राज्य बनाया जहां इसे अपना वोट बैंक का एटीएम बना कर रख दिया है। 70 सालों से इन्होंने यही किया।

मां के सामने ही पत्नी ने पति को जमकर कूटा

सतना (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सतना में एक लोको पायलट का पत्नी से विवाद हो गया और पत्नी ने उसे जमकर कूट दिया। पत्नी द्वारा पीटने का वीडियो सामने आया है। वीडियो में उसकी सास भी दिखाई दे रही है और अपनी मां के सामने ही महिला अपने पति की जमकर पिटाई करती हुई

दिखाई दे रही है। लोको पायलट अपनी बेरहम पत्नी से परेशान है। उसने इसे लेकर कई जगह शिकायत भी लेकिन वह अपनी पीड़ा साबित नहीं कर पाया। इसके बाद उसने बेरहम पत्नी को बेनकाब करने के लिए हिडन कैमरा से मारपीट का वीडियो बना लिया, जो वायरल हो रहा हैपीड़ित लोको पायलट का नाम लवकेश है। वायरल हो रहे वीडियो मे लवकेश की सासू मां भी दिखाई दे रही है जिसके सामने ही बेरहम पत्नी अपने ही पति की छाती पर चढ़कर लात घूंसे बरसा रही है।

चलती ट्रेन में हुई तलवार बाजी, सीट को लेकर हुआ विवाद

सिख ने युवक को कर दिया घायल

मथुरा (एजेंसी)। आप सभी ने ट्रेन में कभी न कभी सफर तो किया ही होगा। कई बार ऐसा देखने को मिला होगा कि सीट को लेकर किसी न किसी के बीच में बहस हुई होगी। लेकिन सोचिए क्या कभी किसी ने सीट विवाद को लेकर किसी आदमी पर तलवार से हमला किया है? हैरान हो गए लेकिन ऐसी एक घटना सचखंड एक्सप्रेस ट्रेन के अंदर हुई जिसके बारे में जानकर आप हैरान हो जाएंगे। सीट को लेकर सिख और एक युवक के बीच में बहस हुई जिसके बाद सिख ने उस आदमी पर तलवार से हमला कर दिया।

मथुरा में चलती ट्रेन में सीट को लेकर सिख और स्क्रू का काम करने वाले एक युवक के बीच में बहस हो गई। दरअसल महाराष्ट्र के नांदेड़ से पंजाब के अमृतसर जाने वाली सचखंड एक्सप्रेस ट्रेन में आगरा से स्क्रू का काम करने वाला युवक प्रवीण जनरल कोच में चढ़ा। इसके बाद सीट पर बैठने को लेकर वहां कुछ सिखों से उसकी बहस हो गई। इस विवाद में उस पक्ष में से एक सिख ने अपने पास रखे तलवार से उस युवक पर हमला कर दिया जिसमें वो बुरी तरह से घायल हो गया। तलवार बाजी की घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंच गई और 4 आरोपियों को हिरासत में ले लिया। इस घटना से ट्रेन के अंदर हड़कंप मच

इस मामले में पुलिस अधिकारी ने मीडिया से बात करते हुए जानकारी दी। पुलिस ने बताया, %आगरा से जा रही एक ट्रेन के जनरल कोच में सीट को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद आपस में झगड़ा हो गया। इसमें एक आदमी घायल हो गया जिसे लत्रक्कने अस्पताल में भर्ती करवा दिया है। आगे की जानकारी अभी ली जा रही है।%

दिल्ली में बड़े घोटाले का हुआ पर्दाफाश

फर्जी फार्मेसी रजिस्ट्रेशन के आरोप में 47 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक और बड़े घोटाले का पर्दाफाश हुआ है। दिल्ली एंटी करप्शन ब्रांच ने फर्जी फार्मेसी रजिस्ट्रेशन रैकेट का भंडाफोड़ किया है। हजारों फार्मासिस्टों का अवैध पंजीकरण का मामला सामने आया है। बड़ी बात ये भी है कि इस घोटाले के आरोप में कुल 47 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक, ये अरविंद केजरीवाल सरकार के समय का घोटाला बताया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक, इस घोटाले के तहत फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हजारों फार्मासिस्टों का अवैध पंजीकरण किया गया। बिना उचित टेंडर प्रक्रिया के डुरुष्ट नामक निजी फर्म को ऑनलाइन पंजीकरण काम सौंपा गया। घोटाले में कई दलाल, कॉलेज कर्मचारी और प्रिंटिंग शॉप मालिक शामिल हैं। फर्जी डिप्लोमा और प्रमाण पत्र तैयार कर अवैध रूप से पंजीकरण कराए गए। मामले में पूर्व रजिस्ट्रार और क्लर्क सहित कुल 47 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

अब तक पता लगा है कि कुल 4928 फर्जी पंजीकरण हुए, प्रारंभिक जांच में 35 फर्जी फार्मासिस्ट गिरफ्तार। 21 जुलाई 2020 से डुरुष्ट फर्म के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हुआ, जिसे बिना किसी टेंडर प्रक्रिया के नियुक्त किया गया। फर्जी प्रमाण पत्र ऑनलाइन अपलोड कर पंजीकरण कराया गया, और कुछ कॉलेज कर्मचारियों ने ईमेल द्वारा फर्जी सत्यापन किया।

कुलदीप सिंह (पूर्व रजिस्ट्रार) ने दलाल संजय के जरिए रिश्वत लेकर पंजीकरण स्वीकृत किए। कुछ आवेदकों ने अलग-अलग दस्तावेजों के साथ कई आवेदन किए, फिर भी बिना आपत्ति के पंजीकरण स्वीकृत हुए। फर्जी ईमेल आईडी से प्रमाणपत्रों की पुष्टि कराई गई। रजिस्ट्रार पद से हटने के बाद भी, कुलदीप सिंह ने अपने व्यक्तिगत ईमेल से 232 और फर्जी पंजीकरण स्वीकृत किए।दिल्ली के शाहबाद निवासी नीरज फर्जी प्रमाण पत्रों की प्रिंटिंग करता था, जांच में उसके कंप्यूटर से कई फर्जी दस्तावेज मिले।

हर साल दिल्ली में क्यों बढ़ जाता है वायु प्रदूषण?

सीएजी रिपोर्ट में हो गया खुलासा, कार चलाने वाले हो जाएं सचेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वायु प्रदूषण एक बड़ी चिंता है। दिल्ली में भाजपा सरकार आते ही इस पर चिंतन-मनन शुरू हो गया है। इसको लेकर विधानसभा में खास चर्चा भी हुई। दिल्ली में वायु प्रदूषण की सबसे बड़ी वजह क्या है? इसका खुलासा हो गया है। दिल्ली में वायु प्रदूषण की स्थिति बिगड़ने की प्रमुथ वजह प्रदूषण नियंत्रण तंत्र में कई खामियां हैं। इसमें कार समेत कई वाहनों के पीयूसी प्रमाणपत्र जारी करने में अनियमितताएं, वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली का विश्वसनीय न होना और प्रदूषण नियंत्रण उपायों का खराब क्रियान्वयन शामिल है। यह बात मंगलवार को विधानसभा में पेश की गई सीएजी की रिपोर्ट में कही गई है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा ये रिपोर्ट दिल्ली विधानसभा में पेश की गई। वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण पर

दिल्ली की स्थिति बिगड़ने के पीछे प्रमुख कारणों के रूप में प्रमुख नीतिगत कमियों और कमजोर क्रियान्वयन तथा एजेंसियों के बीच खराब समन्वय को उजागर किया गया है।

जल्दबाजी में दिए गए पीयूसी प्रमाणपत्र रिपोर्ट में कहा गया है कि 1.08 लाख से अधिक वाहनों को प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र जारी किए गए, जबकि वे स्वीकार्य सीमा से अधिक कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन उत्सर्जित कर रहे थे। सीएजी की रिपोर्ट में बताया गया कि कई मामलों में एक ही समय में कई वाहनों को प्रमाणपत्र जारी किए गए। कभी-कभी एक-दो के एक मिनट के भीतर ही प्रमाण पत्र दिए गए। इनमें बड़ी संख्या में सड़कों पर चलने वालीं कार भी शामिल हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि 2015 से 2020 के बीच प्रदूषण सीमा को पार करने वाले लगभग 4,000 डीजल वाहनों को भी अनुपालन के रूप में प्रमाणित किया गया था, जिससे उन्हें अपने उच्च उत्सर्जन स्तरों के बावजूद सड़क पर बने रहने की अनुमति मिली।

महाराष्ट्र में दर्दनाक सड़क हादसा, बस और एसयूवी की टक्कर में 5 की मौत

बुलढाणा (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बुलढाणा में बुधवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बुधवार सुबह पूर्वी महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में एक बस और स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि 24 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

घायलों का इलाज खामगांव के सरकारी अस्पताल में चल रहा है। इस दुर्घटना ने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। खामगांव-शेगांव राजमार्ग पर सुबह करीब साढ़े 5 बजे एक तेज रफ्तार बोलेरो कार महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम की बस से टकरा गई। इसके तुरंत बाद एक प्राइवेट बस ने दोनों वाहनों को टक्कर मार दी। प्राइवेट बस के आगे के केबिन को भारी नुकसान हुआ है। क्षतिग्रस्त हिस्से से चालक को निकालने के प्रयास जारी हैं।

जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह की अध्यक्षता में हुई अंतर्विभागीय समिति की बैठक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को विभिन्न विभागों द्वारा प्रदाय छात्रवृति योजनाओं के सरलीकरण, एकरूपता एवं छात्रावास व्यवस्था में सुधार के संबंध में, जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर डॉ. विजय शाह की अध्यक्षता में गठित अंतर्विभागीय समिति की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित की गई। बैठक में स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, उच्च शिक्षा, आयुष एवं तकनीकी शिक्षा मंत्रीश्री इंदर सिंह परमार, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल और अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में छात्रवृत्ति योजनाओं के सरलीकरण एवं एकरूपता के लिए विद्यार्थियों की छात्रवृत्तियों को समेकित करने, छात्रवृत्तियों की स्वीकृति एवं वितरण, छात्रावास संचालन के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए गए अलग-अलग प्रावधानों की एकरूपता और छात्रावास संचालन में प्रभावी सुधार के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विद्यार्थियों के हितों से जुड़े विविध विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 12 हजार 958 करोड़ का किया राजस्व संग्रहण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 12 हजार 958 करोड़ रूपए का राजस्व संग्रहित किया हैं। यह कंपनी का अब तक का सर्वाधिक राजस्व संग्रहण हैं। कंपनी की इस उपलब्धि पर प्रदेश के ऊर्जामंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कंपनी के कार्मिकों को बधाई दी हैं, और बिल राशि जमा करने वालों के प्रति भी आभार माना हैं। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मार्च में कंपनी ने सतत ही उपभोक्ताओं से संपर्क कर बकाया राशि वसूली के लिए महा-अभियान चलाया गया। सभी पुराने बकायादार उपभोक्ताओं से संपर्क किया गया था। इसी कारण मार्च में कंपनी को 28 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिल बकाया राशि प्राप्त हुई हैं। श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मार्च में कंपनी के कुल 1866 करोड़ रूपए एवं वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 12958 करोड़ रूपए की राशि प्राप्त हुई हैं। प्रबंध निदेशक श्री सिंह ने बताया कि इस बिल राशि राजस्व संग्रहण में लाखों बिजली उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल रकम चुकाने के योगदान के साथ ही कंपनी के हजारों कार्मिकों का राजस्व लक्ष्य अर्जित करने को लेकर समर्पण भी शामिल हैं। प्रबंध निदेशक ने वित्तीय लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्मिकों को बधाई दी हैं, साथ ही बिल राशि जमा करने वाले घरेलू, गैर घरेलू, उद्योग, व्यापारिक, कृषि ,शासकीय कनेक्शन वाले बिजली उपभोक्ताओं, शासकीय राशि जमा करने वाले विभागों के अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया हैं।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख ने अरण्य हाट-द जंगल स्टोर का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव ने मंगलवार को वन भवन के गेट क्रमांक-2 पर मध्यप्रदेश टाइगर फाउण्डेशन समिति द्वारा लगाये गये अरण्य हाट-द जंगल स्टोर सोवेनियर शॉप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पीसीसीएफ (वन्य-जीव), सचिव मध्यप्रदेश टाइगर फाउण्डेशन समिति श्री शुभरंजन सेन और वन विभाग के अधिकारी-कर्म चारी उपस्थित थे।

राज्य स्थापना दिवस हमारी मूल पहचान और समान को बढ़ाने का संकल्प दिवस : राज्यपाल पटेल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि राज्यों का स्थापना दिवस पर हमारे देश की मूल पहचान और सम्मान को बढ़ाने का संकल्प दिवस है। इसे अपनी विरासत को विश्व के कोने-कोने तक पहुँचाने के संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे सभी राज्यों ने हमेशा अपनी धरोहर, संस्कृति और परंपराओं के सम्मान के द्वारा राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया है। इस गौरवपूर्ण धरोहर को सहेजने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य करना हम सभी का परम दायित्व है। उन्होंने कहा कि राज्यों के स्थापना दिवस देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों के उत्सव है। भारतीय संस्कृति की विविधता में एकता की धरोहरों के संरक्षण, संकल्प एक भारत-श्रेष्ठ भारत का शानदार प्रदर्शन है। राज्य का स्थापना दिवस को मनाना प्रगति और विकास की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करने का प्रसंग है।

राज्यपाल श्री पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में आयोजित बिहार, राजस्थान और ओडिशा के स्थापना दिवसों के संयुक्त समारोह

में राज्यों के मूल निवासी मध्यप्रदेश में निवासरत नागरिकों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के. सी. गुप्ता, पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेंत्र सुश्री प्रीति अग्रवाल, निदेशक डाक सेवाएं श्री भरत कुमार डालमिया और राज्यपाल के अपर सचिव श्री उमाशंकर भार्गव मंचासीन थे।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने सिकल सेल एनीमिया रोग जन जागृति पर डाक विभाग द्वारा जारी विशेष आवरण एवं विरूपण मोहर का अनावरण किया। पोस्ट मास्टर जनरल इंदौर परिक्षेंत्र सुश्री प्रीति अग्रवाल ने बताया कि डाक टिकट देश विदेश में जन जागृति के प्रभावी माध्यम होते हैं। डाक विभाग द्वारा जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सिकल सेल एनीमिया रोग पर डाक टिकट जारी किया गया था। इसी क्रम में जारी विशेष आवरण के अनावरण के लिए राज्यपाल के प्रति आभार ज्ञापित किया। राज्यपाल श्री पटेल को देवी अहिल्या पर डाक विभाग द्वारा जारी टिकट की पेंटिंग भेंट की। राज्यपाल ने विशेष आवरण के रूपांकन में सहयोगी एम्स भोपाल के चिकित्सक डॉ. रजनीश जोशी और डॉ. अनन्य सम्पत का सम्मान किया गया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने बिहार, ओडिशा और राजस्थान राज्यों की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य हमारी अनेकता में एकता के गुलदस्ते का वह मोती है, जो भारतीय सभ्यता और संस्कृति के उत्पत्ति स्थल के रूप में जाना जाता है। यहाँ की भूमि ने हमेशा ज्ञान, शिक्षा और धर्म के क्षेंत्र में योगदान दिया है। पाटलिपुत्र, वर्तमान पटना ही वह स्थान है, जहाँ से भारत के सम्राटों और महान विचारकों ने इतिहास रचा था। बिहार के लोगों ने चाहें वह कृषि क्षेंत्र हो, उद्योग हो या फिर सेवा क्षेंत्र, हर जगह अपनी कड़ी मेहनत से पहचान बनाई है।

गोदामों के निरीक्षण में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध करें सख्त कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। गोदामों का नियमानुसार निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन कराया जाये। इस कार्य में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें। उपार्जित खाद्यान्न के भंडारण के साथ ही शासकीय गोदामों में उपलब्ध रिक्त क्षमता के उपयोग के लिये अन्य वैकल्पिक व्यवसाय प्राप्त करने के प्रयास करें। शासकीय गोदामों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने यह निर्देश मध्यप्रदेश वेयरहॉउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन की संचालक मंडल की बैठक में दिये। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि निगम की वर्ष 2016 के बाद प्रतिवर्ष की जाने वाली भंडारण शुल्क दरें पुनरीक्षित नहीं की गई हैं। इस कार्य में देरी करने वाले तत्कालीन शाखा प्रभारी रहे महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी करें। उन्होंने नियमानुसार 1 अप्रैल 2025 से नवीन दरें लागू करने की स्वीकृति भी दी।

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि निगम द्वारा प्रस्तावित नवीन बीमा पॉलिसी में पुरानी पॉलिसी में लागू प्रावधानों के साथ ही अन्य नुकसानों का अधिकतम कवरेज करने का भी प्रावधान करें। साथ ही नवीन पॉलिसी तत्काल लागू करने की कार्यवाही करें।

मंत्री पटेल की अध्यक्षता में नर्मदा परिक्रमा पथ और अन्य विषयों पर बैठक

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में नर्मदा परिक्रमा पथ के साथ ही अन्य विषयों पर विभागीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मंत्री श्री पटेल ने अधिकारियों से नर्मदा परिक्रमा को ध्यान में रखकर रेडी टू स्टे आश्रय के निर्माण पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि करीब डेढ़ एकड़ में आश्रय का निर्माण किया जा सकता है, जिसमें पेड़ पौधे लगाने के साथ ही रुकने-ठहरने की अच्छी व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा सकती है। मंत्री श्री पटेल ने चातुर्मास करने वालों के लिए विशेष प्रबंध करने को लेकर भी अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मदद के लिए स्वयं पहल करने वाले लोगों या समितियों को इसमें शामिल किया जा सकता है। नर्मदा परिक्रमा पथ के चिन्हांकन के लिए इस बार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अत्याधुनिक तकनीक का सहारा ले रहा है।

इसके लिए एक सॉफ्टवेयर का निर्माण किया गया है, जिसपर ड्रोन की अत्याधुनिक तकनीकों को शामिल किया गया है। मंत्री श्री पटेल ने इस सॉफ्टवेयर की तारीफ़ करते हुए कहा कि इसकी मदद से नर्मदा परिक्रमा आसान होगी और इसका प्रयोग ग्रे वॉटर मैनेजमेंट के साथ साथ विभाग की अन्य गतिविधियों में भी बहुत काम आयेगा।

नर्मदा परिक्रमा पथ के चिन्हांकन के लिए %सॉफ्टवेयर फॉर आइडेंटिफिकेशन एंड प्लानिंग ऑफ रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया गया है। इस सॉफ्टवेयर के जरिए नर्मदा पथ को चिन्हित करने का काम किया जाएगा। इस सॉफ्टवेयर में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) की सभी आधुनिक तकनीकें शामिल की गई हैं। नर्मदा परिक्रमा पथ को लेकर विशेष प्रावधान रेडी टू स्टे आश्रय की व्यवस्था होगी। 7 लेयर की छत होगी, जिससे आश्रय स्थल को मजबूती मिलेगी। बल्ली, बांस, मिट्टी, रूफ फ्रेम गैप के लिए, रूफ फ्रेम, प्रोफाइल शीट, मिट्टी के खप्पड़ जैसी पांच लेयर से निर्मित की जाएगी छत मिट्टी और गोबर की छपाई और लेपन का उपयोग होगा।

स्कूल चलें हम अभियान के तहत मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों को तिलक और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया

भोपाल। महिला-बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने झाबुआ जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय देवझिरी पंडा में स्कूल चलें हम अभियान के तहत बच्चों को तिलक लगाकर और पुष्प-माला पहनाकर शाला प्रवेश करवाया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और हमें उन्हें बेहतर शिक्षा देकर एक सशक्त नागरिक बनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। सुश्री भूरिया ने कहा कि स्कूल चलें हम अभियान से न केवल बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है, बल्कि उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव भी मजबूत हुई है। उन्होंने विद्यालय की दीवारों पर बच्चों के जनरल नॉलेज को बढ़ाने वाले चित्र एवं भारत का नक्शा अंकित करने के निर्देश दिये। मंत्री सुश्री भूरिया ने बच्चों के साथ मध्यान्ह भोजन किया और व्यवस्थाओं की सराहना

की। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा ने बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि नियमित अध्ययन और अनुशासन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालय में टॉपर्स की सूची नोटिस-बोर्ड में लगायी जाये, जिससे विद्यार्थी प्रेरित हो सकें।

इस अवसर पर कक्षा-1 से 8 तक के विद्यार्थियों को एनसीईआरटी की

वन क्षेत्र भोजपुर से 2 टाइगर्स को रेस्क्यू कर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया

भोपाल। मुख्य वन संरक्षक भोपाल वृत्त के मार्गदर्शन एवं वन मण्डल अधिकारी ओबेदुल्लागंज के नेतृत्व में परिक्षेत्र चिकलोद के स्टॉफ द्वारा सोमवार को ग्रामवासियों की माँग पर टाइगर्स को पकड़ने के लिये पिंजरे लगाये गये। वन विहार भोपाल एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की रेस्क्यू टीम, पशु चिकित्सकों एवं स्थानीय प्रशासन और पुलिस के सहयोग से दोनों टाइगर्स का सफल रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू के उपरांत दोनों टाइगर्स का स्वास्थ्य परीक्षण कर सुरक्षित ढंग से सतपुड़ा टाइगर रिजर्व भेजा गया।

भोजपुर से लगे हुए वन क्षेत्र बीट भोजपुर में भोजपुर-ईमलिया मार्ग पर दो टाइगर्स का लगातार विचरण विगत एक माह से बना हुआ था। इन टाइगर्स द्वारा 5 मवेशियों का शिकार किया गया था। टाइगर के विचरण के कारण ग्रामीण असुरक्षित महसूस कर रहे थे। टाइगर्स का खेतों में विचरण होने से ग्रामीण फसलें नहीं काट पा रहे थे। खेतों एवं वन क्षेत्र के मध्य से जो रास्ता निकलता है, वह ग्रामीणों का मुख्य मार्ग है, जिससे ग्रामीणों का भोजपुर, मण्डीदीप और बंगरसिया आना-जाना लगा रहता है।

मंत्री उइके ने सिंगरौली में स्कूल चले हम अभियान का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं सिंगरौली जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने खुटार मे स्कूल में प्रवेश उत्सव का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा सूर्य की तरह अज्ञानता के अंधेरे को दूर करती है, कोई भी बच्चा स्कूल में प्रवेश से वंचित न रहे। प्रदेश में आज से नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हो गया है। इस अवसर पर सभी जिलों में प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है।

मंत्री श्रीमती उइके ने विभिन्न विद्यालयों में आयोजित समारोहों में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने नौनिहालों के माथे पर

तिलक लगाकर और पाठ्य पुस्तक वितरण कर विद्यालय में प्रवेश कराया।

मंत्री श्रीमती उइके ने प्रवेशोत्सव में कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि कोई भी छात्र-छात्रा शिक्षा से वंचित न रहे। उन्होंने अपने छात्र जीवन की कठिनाइयों को साझा करते हुए कहा कि अब परिस्थितियाँ बदल गई हैं। प्रदेश सरकार शिक्षा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए प्रभावी नीतियाँ लागू कर रही है, जिससे प्रदेश के विद्यार्थी हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नई शिक्षा नीति लागू की गई है और सीएम राइज स्कूल का नाम बदलकर सांदीपनि स्कूल किया गया है, जिससे गुरु-शिष्य परंपरा को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री श्रीमती उइके ने कहा कि विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा छात्रावास, छात्रवृत्ति, गणवेश, पाठ्य-पुस्तक, लैपटॉप और स्कूटी जैसी सुविधाएँ दी जा रही हैं। कक्षा 10वीं और 12वीं के ऐसे विद्यार्थी जो किसी कारणवश परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सके, उनके लिए पुनः प्रवेश की सुविधा दी गई है। उन्होंने अभिभावकों से की बच्चों की पढ़ाई में सहयोग करें और बेटा-बेटी में भेदभाव न करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान से जल संरक्षण को मिल रहा नया आयाम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में जल संरक्षण को लेकर राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया महत्वाकांक्षी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' जनान्दोलन का रूप ले रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में महाकाल की नगरी उज्जैन में क्षिप्रा नदी के तट से शुभारंभ के बाद अब यह अभियान पूरे प्रदेश में सक्रिय हो गया है। इसमें जल संरक्षण, रेनोवेशन, जलसंरचनाओं का पुनर्जीवन और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

बैतूल जिले में जन अभियान परिषद के तत्वावधान में काशी तालाब में स्वच्छता अभियान और श्रमदान आयोजित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती पार्वतीबाई बारस्कर और जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने स्थानीय रहवासियों को तालाब स्वच्छ रखने और पॉलीथिन व कचरा न फेंकने की समझाइश दी। वहीं, विकासखंड भैंसदेही में मां पूर्णा नदी के घाट पर सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान 92 श्रमदानियों ने सहभागिता निभाई। धार जिले की नगर परिषद राजगढ़ ने अभियान के तहत प्राचीन बावड़ियों, कुओं और तालाबों के पुनर्जीवन की दिशा में पहल की है। वार्ड क्रमांक 14 में बाबाजी के कुएं पर सफाई अभियान चलाकर जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। नगर परिषद विभिन्न जल स्रोतों की पहचान कर उन्हें पुनर्जीवित करने के प्रयास कर रही है।

मंदसौर जिले में जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में खेरखेड़ी तालाब का गहरीकरण किया गया। यह कार्य सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से किया जा रहा है। कालापीपल विधायक श्री घनश्याम चंद्रवंशी के नेतृत्व में ग्राम पंचायत भैसायागढ़ा में तालाब जीर्णोद्धार का कार्य शुरू हुआ। वहीं, ग्राम पंचायत खमलाय में रूफवाटर हार्वेस्टिंग कार्य का भूमि-पूजन भी किया गया।

कटनी जिले में दीवार लेखन और जागरूकता रैली के माध्यम से जल संरक्षण की प्रेरणा दी जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में %बूंद-बूंद में शक्ति है, जीवन की यह भक्ति है% जैसे प्रेरक नारों का उपयोग कर जल संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है।

नीमच जिले में जल संरचनाओं के निर्माण एवं संरक्षण के कार्यों में जन भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। 173 तालाबों का गहरीकरण, 22 अमृत सरोवर, 7 तालाबों एवं 82 खेत तालाबों के निर्माण कार्य चिन्हित किए गए हैं। इनमें जिला प्रशासन, संबंधित विभाग के साथ जन-भागीदारी के साथ काम शुरू किया जा रहा है। ग्वालियर जिले में पृथ्वी तालाब और वीरपुरा तालाब के संरक्षण के लिए श्रमदान के माध्यम से कार्य प्रारंभ हुआ। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने वृक्षारोपण कर अभियान की शुरुआत की। शिवपुरी जिले में नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के तत्वावधान में भुजरिया तालाब में श्रमदान किया गया।

युवाओं ने तालाब को स्वच्छ एवं निर्मल बनाने का संकल्प लिया।

भोपाल में भिक्षावृत्ति पर लगेगा स्मार्ट निगरानी का पहरा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भोपाल जिले में भिक्षावृत्ति पर लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। कलेक्टर श्री कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले की समस्त राजस्व सीमा क्षेत्र में भिक्षावृत्ति पूर्ण रूप से प्रतिबंधित की गई है। भिक्षावृत्ति के मामलों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बैठक आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि भोपाल स्मार्ट सिटी के ट्रैफिक सिग्नलों पर लगे कैमरों की मदद से भिक्षा देने और लेने वाले लोगों की पहचान की जाएगी और उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सभी ट्रैफिक सिग्नलों पर ऑडियो-वीडियो विजुअल्स के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें कलेक्टर एवं पुलिस आयुक्त भोपाल का संदेश प्रसारित किया जाएगा। नगर निगम भोपाल की कचरा संग्रहण गाड़ियों पर भी भिक्षावृत्ति उन्मूलन संबंधी संदेश चलाए जाएंगे ताकि आम नागरिकों में यह समझ बढ़े कि भिक्षावृत्ति एक सामाजिक बुराई और अपराध है, जिसकी आड़ में कई बार नशा, असामाजिक और आपराधिक गतिविधियां पनपती हैं। भिक्षावृत्ति पर रोक लगाने के लिए एसडीएम की मॉनीटरिंग में सामाजिक न्याय विभाग, महिला एवं बाल विकास, श्रम, नगर निगम और पुलिस विभाग के संयुक्त दल बनाये गये है जो औचक कार्यवाहियां करेंगे । साथ ही शांति समिति की बैठक में धर्मगुरुओं के माध्यम से भी समाज में जागरूकता का संदेश फैलाया जाएगा। सामाजिक न्याय विभाग जिले के सभी अनुविभागीय क्षेत्रों में कार्यदल गठित करेगा जो इस अभियान को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करेंगे।

एमएसएमई में निवेश और टर्न ओवर की सीमा ढ़ाई गुना हुई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुरूप अब सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम इकाइयों का निवेश और टर्न ओवर (कारोबार) का दायरा बढ़ाकर ढ़ाई गुना कर दिया गया है। राज्य शासन ने एक अप्रैल 2025 से नए नियम प्रभावी कर दिए हैं। एमएसएमई मंत्री श्री चैतन्य कुमार काश्यप ने कहा है कि इस नए बदलाव से मध्यप्रदेश में नवीन उद्योग धंधों का विकास होगा और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम की दक्षता में वृद्धि, तकनीकी उन्नयन और बेहतर वित्तीय पहुंच हो सकेगी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा जारी की गई अधिसूचना अनुसार सूक्ष्म उद्यम के निवेश की सीमा एक करोड़ से बढ़ा कर 2 करोड़ 50 लाख और कारोबार की सीमा बढ़ाकर 10 करोड़ रूपये की गई है। पूर्व में निवेश की सीमा एक करोड़ तथा टर्न ओवर (कारोबार) की सीमा 5 करोड़ रूपये थी। इसी तरह लघु उद्यम श्रेणी में निवेश की सीमा 10 करोड़ से बढ़ाकर 25 करोड़ और करोबार की सीमा को 50 करोड़ से बढ़ाकर 100 करोड़ कर दिया गया है। मध्यम उद्यमों में निवेश की सीमा अब 125 करोड़ होगी तथा टर्न ओवर 500 करोड़ का होगा।

कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति की हुई बैठक

बैंकर्स और अधिकारी समन्वय से स्वरोजगार योजनाओं के लक्ष्य पूरे कराएं, कृषि और लघु उद्योगों के क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में जिला स्तरीय बैंकर्स सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि रीवा जिले में कृषि क्षेत्र का तेजी से विकास हुआ है। कृषि और कृषि पर आधारित उद्योगों में निवेश को प्रोत्साहित करें। शासन की विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के बैंक शाखाओं में लंबित सभी प्रकरण 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से निराकृत करें। समय पर ऋण स्वीकृत होगा तो उसका भुगतान भी समय पर होगा। बैंक शाखा प्रबंधक और विभिन्न विभागों के अधिकारी समन्वय बनाकर स्वरोजगार योजनाओं की लक्ष्य पूर्ति सुनिश्चित करें। अग्रणी बैंक प्रबंधक जिले के ऋण-जमा अनुपात तथा स्वरोजगार योजनाओं की प्रगति की हर माह समीक्षा करके प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैंक शाखा प्रबंधक स्वरोजगारियों के प्रकरणों को समय पर स्वीकृत करें।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के ऋण-जमा अनुपात में इस तिमाही में अच्छी वृद्धि हुई है। यह 47 से बढ़कर 49 हो गया है। लेकिन इंडियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक और सेंट्रल बैंक का ऋण-जमा अनुपात बहुत कम है। इसमें सुधार के लिए कार्ययोजना बनाएं। निवेश प्रस्तावों की स्वीकृति तथा कृषि और उद्योग से जुड़े ऋण प्रकरणों को प्राथमिकता से मंजूरी देकर ऋण-जमा अनुपात बेहतर करें। कलेक्टर ने कहा कि लंबित ऋणों की वसूली में विकास विभागों के अधिकारी सहयोग करेंगे। आरआरसी से वसूली के लिए बैंक शाखा प्रबंधक ऑनलाइन प्रकरण दर्ज कराएं। लंबित ऋणों की वसूली में पूरा सहयोग किया जाएगा। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की उच्च स्तर से लगातार मानीटरिंग की जा रही है। इस योजना में अब तक दर्ज 2539 प्रकरणों में से केवल 343 मंजूर किए गए हैं। शेष प्रकरणों को 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से निराकृत कर दें। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वसहायता समूहों के ऋण प्रकरण भी प्राथमिकता से निराकृत करें। किसान क्रेडिट कार्ड के भी प्रकरण बड़ी संख्या में लंबित हैं इनका भी 30 अप्रैल तक निराकरण करें।

बैठक में रिजर्व बैंक के प्रभारी महाप्रबंधक श्रीराम नागर ने कहा कि चार बैंकों का ऋण-जमा अनुपात लगातार 20 से कम है। मध्यांचल बैंक के ऋण-जमा अनुपात में भी केवल थोड़ी सी वृद्धि हुई है। प्राथमिकता के क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में ऋण स्वीकृत करके ही इसमें सुधार होगा। संबंधित बैंक शाखा प्रबंधक इसके लिए एक माह में कार्ययोजना प्रस्तुत करें। मछलीपालन, नगरीय विकास विभाग, पशुपालन विभाग तथा ग्रामोद्योग के ऋण प्रकरण प्राथमिकता से मंजूर करें। बैठक में अग्रणी बैंक प्रबंधक जगमोहन ने जिले की आर्थिक गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना तथा प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति हो गई है। बैठक में उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग तथा मध्यप्रदेश अन्त्यावसायी सहकारी समिति के प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, डीडीएम नाबार्ड सरोज जेना, महाप्रबंधक उद्योग जेपी तिवारी, उप संचालक कृषि यूपी बागरी, उप संचालक पशुपालन डॉ राजेश मिश्रा, उप संचालक मछली पालन डॉ अंजना सिंह तथा बैंक शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

रीवा जोन में कानून-व्यवस्था की समीक्षा, आईजी ने दिए कड़े निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जोन में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने और अपराध नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) श्री गौरव राजपूत ने रीवा जोन के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों (एएसपी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। आईजी श्री गौरव राजपूत ने रात्रि गश्त को अनिवार्य करते हुए निर्देश दिए कि पुलिस बल संवेदनशील क्षेत्रों में शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक नियमित गश्त करेगा। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने और गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान एएसपी की उपस्थिति अनिवार्य होगी ताकि जनता की शिकायतों का शीघ्र समाधान किया जा सके। माइक्रो बीट सिस्टम का सख्ती से पालन करने, मादक पदार्थों की तस्करी पर कठोर कार्रवाई करने और स्कूल-कॉलेजों के आसपास सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर प्रभावी उपाय लागू किए जाएंगे। ट्रैफिक नियमों के पालन के लिए सख्ती बरती जाएगी। साइबर क्राइम, महिला अपराध और अन्य गंभीर अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष टीमों का गठन किया जाएगा। आईजी श्री गौरव राजपूत ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इन निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए, जिससे अपराधों पर अंकुश लगे और जनता में सुरक्षा की भावना विकसित हो।

शराबी युवकों ने स्कूल वैन के शीशे तोड़े, ड्राइवर को पीटा

वाहन में 7 बच्चे सवार थे; आरोपियों को भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में नशे में धुत दो युवकों ने एक स्कूल वैन के कांच तोड़ दिए। विरोध करने पर ड्राइवर की नशेड़ियों ने जमकर पिटाई कर दी। घटना के समय वैन में 7 स्कूली बच्चे सवार थे। जिसका वीडियो बुधवार दोपहर के बाद सामने आया है। मामला 28 मार्च शाम करीब 5.30 बजे जमोड़ी थाना क्षेत्र के नेबुहां गांव का है। वैन ड्राइवर की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के पकड़कर जेल भेज दिया है।

स्कूल वैन ड्राइवर ओमप्रकाश गुप्ता ने बताया कि वह इंडियन एक्सीलेंसी पब्लिक स्कूल की वैन में 7 स्कूली बच्चों को बैठाकर उन्हें घर छोड़ने जा रहा था। जब वैन मशुरिहा गांव पहुंची।यहां दो नशेड़ियों राजा साकेत और चरकू साकेत की बाइक सड़क पर गिरी हुई थी। वैन ड्राइवर ने रास्ते से बाइक हटाने को कहा तो दोनों शराबी युवक भड़क गए।

आरोपी राजा और चरकू ने हाथ से वैन के शीशे तोड़ दिए। इस दौरान सभी स्कूली बच्चे वैन में सवार थे। वे सभी डर गए, जोर-जोर से चिल्लाने लगे। कुछ बच्चों को कांच के टुकड़े छिटककर उनके हाथों पर लगे।

दोनों आरोपी युवक यहीं तक नहीं रुके, वे स्कूल वैन की बोनट, लाइट, वाइपर, हॉर्न और हैंड ब्रेक के साथ भी तोड़फोड़ किए। वाहन ड्राइवर को गाड़ी से खींचकर लात-घूसों और पत्थरों से भी पीटा।

मनगवां विधानसभा क्षेत्र में नल जल योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में बेहद ही घटिया व निम्न गुववत्ता का कार्य किया जा रहा

जिला पंचायत सदस्य नंदिनी हर्षवर्धन तिवारी ने जीएम चित्रांशु उपाध्याय एवं सबंधित ठेकेदार व इंजीनियर के साथ गांव-गांव भ्रमण कर नल जल की दुर्दशा को अधिकारियों से समक्ष प्रस्तुत किया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवां विधानसभा क्षेत्र में नल जल योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में बेहद ही घटिया व निम्न गुववत्ता का कार्य किया जा रहा है। ठेकेदारों द्वारा विभाग की मिलीभगत से बड़े भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है। क्षेत्र के हर गांव में महज रोड से लगी आबादी को दिखावे के लिए कनेक्शन दे दिया गया है, लेकिन अंदर की बस्तियों में न तो पाइप लाइन बिछाई गई है और न ही कनेक्शन दिया गया। गांव में कई जगह तो पाईप ही नहीं डाली गई, जबकि राशि का आहरण कर लिया गया। इस बात का खुलासा तब हुआ जब जिला पंचायत सदस्य नंदिनी हर्षवर्धन तिवारी ने जीएम चित्रांशु उपाध्याय एवं सबंधित ठेकेदार व इंजीनियर के साथ गांव-गांव भ्रमण कर नल जल की दुर्दशा को अधिकारियों से समक्ष प्रस्तुत किया। भ्रमण के दौरान पाया गया कि कठेरी गांव में तो बिना सप्लाई चालू किये ही 20 से अधिक जगह से लीकेज हो गये। इतना ही नहीं इस पंचायत के 20 वार्ड में किसी भी वार्ड में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। ऐसी ही समस्या ग्राम तिवनी, कठेरी सूरा, घुइरिहा, बेलवा, धबइया, आलमगंज, मढ़ी, रामपुर, शुकुलगवां, कदईला, जोड़ोरी, सलैया सहित लगभग सभी गावों में है। इस दौरान जिला पंचायत सदस्य नंदिनी हर्षवर्धन तिवारी कहा कि, दुर्भाग्य की बात है कि इस योजना की शुरुआत 2019 में हुई और आज 2025 तक एक भी गांव में सुचारु रूप से पानी सप्लाई शुरू नहीं हो पाई हैं। भ्रमण के दौरान कदैला परियोजना ग्राम कदैला में ही फेल मिली, जहां दो महीने से फटी पाईप को सही नहीं किया गया। कई जगह तो आज तक टंकियों का निर्माण भी अधूरा पड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि मैं उच्च अधिकारियों एवं ठेकेदारों के साथ हर गांव तक पहुंचकर ग्रामीण जनों के सामने ठेकेदारों को कार्य पूर्ण करने को एक महीने का समय दिया गई। उन्होंने कहा कि आगे भी वो गांव-गांव जाकर समस्या के निराकरण के लिए प्रयासरत करती रहेंगी।

पाइप चोरी के मामले में ठेकेदार गिरफ्तार, दो आरोपी फरार

सीधी में जल जीवन मिशन में काम कराने ठेका लेता था

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में जल जीवन मिशन में बड़ा घोटाला सामने आया है। कुसमी थाना क्षेत्र की पोड़ी चौकी में पाइप बिछाने का काम कर रहा पेटी कांट्रैक्टर ही पाइप चोरी में शामिल निकला। पुलिस ने बुधवार को एक आरोपी यादवेंद्र उर्फ आदित्य पुरोहित को गिरफ्तार किया है। यादवेंद्र जिला निवाड़ी का रहने वाला है। इस मामले में दो अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। पोड़ी चौकी प्रभारी डी.के. रावत के अनुसार, आरोपी जल जीवन मिशन का काम करते समय ही पाइप चोरी कर रहा था। थाना प्रभारी कुसमी भूपेश वैश के निर्देश पर पुलिस ने कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम फरार आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। यह मामला तब सामने आया जब क्षेत्र में पाइप चोरी की कई घटनाएं हुईं। जांच में पता चला कि खुद पेटी कांट्रैक्टर ही इस चोरी में शामिल था।

सैनिक स्कूल में प्रवेश के लिए पांच अप्रेल को परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सैनिक स्कूल में प्रवेश के लिए पांच अप्रेल को परीक्षा का आयोजित होगी। जिसके लिए रीवा शहर में छह परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। परीक्षा का समय दोपहर 2 बजे से 4.30 बजे तक कक्षा छठवी के लिए व दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक कक्षा नवमीं के लिए निर्धारित किया गया है। परीक्षार्थियों का प्रवेश परीक्षा केन्द्रों में दोपहर 12 बजे से 1.30 बजे तक होगा। परीक्षार्थियों को अपने साथ काला या नीला वॉल पेन, ग्लब्स, पारदर्शी बाटल में पानी व फोटोग्राफ युक्त प्रवेश पत्र जिसमें निर्धारित स्थान पर बाये हांथ के अंगूठे का निशान व पालक का हस्ताक्षर होना आवश्यक है। छात्र अपना हस्ताक्षर प्रवेश पत्र में परीक्षा कक्ष में पर्यवेक्षक की उपस्थित में करेंगे। इसके साथ ही वैध मूल आईडी प्रूफ आधारकार्ड, छात्र आईडी कार्ड या पैन कार्ड आदि लेकर जाना होगा। पासपोर्ट फोटो भी लेकर जाना होगा। परीक्षा केन्द्र में बायोमेट्रिक जांच भी होगी। रीवा शहर में निर्धारित 6 परीक्षा केन्द्रों में सेन्ट्रल एकेडमी, ज्योति स्कूल, सक्रेड हार्ट कान्वेन्ट स्कूल, बाल भारती स्कूल, ज्ञानस्थली विद्यालय एवं डीपीएस स्कूल में कुल 3192 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

मऊगंज जिले में आंगनवाड़ी संचालन का समय परिवर्तित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर मऊगंज जिले में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्रों के संचालन समय में परिवर्तन किया गया है। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने एक अप्रैल से आगामी आदेश तक आंगनवाड़ी केन्द्रों का संचालन समय प्रातः 8 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक निर्धारित किया है।

टीएल बैठक एवं राजस्व अधिकारियों की बैठक आज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल की अध्यक्षता में 3 अप्रैल को टीएल बैठक का आयोजन किया गया है। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित बैठक में सभी जिला प्रमुखों, एसडीएम, सीईओ जनपद तथा तहसीलदारों की उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं। टीएल बैठक के उपरांत कलेक्टर राजस्व अधिकारियों की बैठक लेंगी। बैठक में बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन सहित सभी राजस्व प्रकरणों के निराकरण, साइबर तहसील, वक्फ सम्पत्तियों के सत्यापन एवं किसान सम्मान निधि में ई केवाईसी अपडेशन की समीक्षा की जाएगी। बैठक में फार्मर रजिस्ट्री, राजस्व वसूली, धारणाधिकार तथा स्वामित्व योजना, भू अर्जन के प्रकरणों एवं सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की जाएगी।

जल है तो जीवन है के संदेश की गूँजो के बीच युवाओं ने किया बोरी बंधान

जन अभियान परिषद की टीम ने मुदरिया चौबान में जल संवाद कर किया श्रमदान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मउगंज ज़िले के मुदरिया चौबान में खुले मैदान में अमराई के बीच जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक ने बताया कि ईश्वर ने हमें जल व हवा के रूप में उपहार दिया है, हमें इन्हें सुरक्षित रूप से उपयोग करते हुए अगली पीढ़ी को भी सौंपना है। इसके लिए आवश्यक है कि हम जल संरक्षण की आवश्यक प्रक्रियाओं को अपनायें। संवाद कार्यक्रम को विकासखंड समन्वयक अजय चतुर्वेदी, समाजसेवी मोहन दुबे, संजय पाण्डेय ने भी संबोधित किया। संवाद में अन्य उपस्थित युवाओं व ग्रामीणजनो ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन व समन्वय ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास त्रिपाठी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम उपरांत उपस्थितजनों एवं ग्रामीणों ने निहाई नदी में बोरी बंधान कर श्रमदान किया। इस अवसर पर परामर्शदाता साधना चौरसिया, पूजा मिश्रा, सिद्धमुनि शर्मा, शिव शंकरलाल श्रीवास्तव एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र व ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

रीवा से नागपुर इतवारी फिर से चलेगी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा से नागपुर के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर आई है। करीब आठ महीने बाद रीवा-इतवारी ट्रेन एक बार फिर पटरी पर लौट रही है, जिससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। ट्रेन नंबर 11756, जो 25 अगस्त को महाराष्ट्र में रेलवे पुलों की मरम्मत के कारण रद्द कर दी गई थी, अब पुनः चलने लगेगी। पहले यह ट्रेन सिवनी और छिंदवाड़ा होकर इतवारी जाती थी, लेकिन इसके बंद होने से यात्रियों को केवल ट्रेन नंबर 11754 का लाभ मिलता था, जो सप्ताह में तीन दिन ही चलती थी। अब ट्रेन नंबर 11756 और 11755 का संचालन सप्ताह में चार दिन होगा -रविवार, मंगलवार, गुरुवार, और शुक्रवार को रीवा से इतवारी जाएगी। इससे नागपुर इलाज के लिए जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

पति के हत्या के आरोप में सजा काट रही महिला जमानत पर छूटी, लगाई फांसी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा शहर के बिछिया थाना क्षेत्र में एक महिला बुधवार की सुबह फांसी के फंदे में झूल गई। बताया गया है कि मृतका अपने पति की हत्या के आरोप में जेल में सजा काट रही थी। कुछ दिन पहले ही वह जमानत पर जेल से छूटी थी। बताया गया है कि छह साल पूर्व महिला को पति की हत्या के आरोप में जेल हुई थी। मृतका हबीबुन निशा के दो बच्चे हैं। घटना के वक्त वह घर में अकेली थी। वारदात की सूचना मिलने पर बिछिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को पीएम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा गया। फ़िलहाल महिला ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विचार

महिला सशक्तिकरण और दहेज

पिछले दिनों दुर्भाग्य से एक हफ्ते के भीतर 3 निकट परिजनों की मृत्यु हुई-दो दिल्ली में और एक आगरा में। शोक से भरे माहौल में एक बात हर जगह समान दिखाई दी। अंतिम संस्कार के बाद जब सब लोग लौटते हैं तो उनके भोजन का इंतजाम उस घर की स्त्री के परिवार वालों को करना पड़ता है। यदि पति की मृत्यु हुई है तो पत्नी के मायके वाले, यदि किसी के बेटे की मृत्यु हुई है तो बहू के मायके वाले। यदि किसी स्त्री की मृत्यु हुई है तब भी भोजन का इंतजाम स्त्री के परिवार वालों को ही करना पड़ेगा।ऐसा क्यों, पूछने पर बताया गया कि जिस परिवार में ऐसी दुखद घटना हुई है वहां तो शोक है। इसलिए यह रिवाज है। यह कैसा रिवाज है? क्या उसके मायके वाले अपनी बेटी, बहन आदि के जाने से दुखी नहीं होंगे? उन पर शोक का पहाड़ नहीं टूटा होगा? मगर उनके दुखों से किसी को क्या लेना-देना। स्त्री का जाना भी कोई जाना होता है।

कई बार लगता है, हमारे यहां जो विवाह की प्रथा है, वह कुल मिलाकर स्त्री के परिवार के जीवन भर के शोषण से जुड़ी है। आखिर यूं ही तो भारत में विवाह का बाजार अरबों-खरबों का नहीं है। चलिए शुरूआत करते हैं विवाह से। देखने और लड़के-लड़की पसंद आ जाने के बाद पक्की या रोका की रस्म होती है। इसमें खूब खान-पान, पैसों, मिठाई, कपड़ों आदि का लेन-देन किया जाता है। फिर लगन, मेहंदी, हल्दी। पहले मेहंदी, हल्दी घर में ही लग जाती थीं लेकिन अब इसके लिए बाहर कोई अच्छा स्थान तलाशना पड़ता है। इन आयोजनों में भी खाने-पीने का दौर चलता है। अब आती है शादी की बात। जब से अपने यहां ब्रांड का प्रवेश हुआ है, तब से न केवल लड़के वालों को, लड़की की तरफ के रिश्तेदारों को भी भेंट में मशहूर ब्रांड्स के कपड़े उपहार आदि ही चाहिएं। शादी भी किसी महंगे होटल, बैंक्वेट हाल या फार्म हाऊस में होनी चाहिए। जितने अधिक व्यंजन, उतनी ही अच्छी शादी। फिर जेवर, कपड़े, नकदी की बात हुई हो तो वह भी। फेरे से पहले लड़के वाले किसी मांग पर अड़ गए तो वह भी पूरी करनी पड़ती है। दशकों पहले लड़की के लिए गहने, कपड़े ससुराल की तरफ से आते थे लेकिन अब तो न केवल लड़की के लिए बल्कि उसके ससुराल के तमाम रिश्तेदारों के लिए गहने-कपड़े देने पड़ते हैं। कई बार बड़ी कार, हनीमून के लिए वर्ल्ड टूर के टिकटों की मांग भी की जाती है। जिस पर भी लड़की को ससुराल में कुछ सुनना नहीं पड़ेगा, इसकी कोई गारंटी नहीं। जितनी बार लड़की विदा होकर ससुराल जाती है, दामाद जी उसे लेने आते हैं, उतनी ही बार उनकी जमकर खातिरदारी करनी पड़ती है। उपहार देने पड़ते हैं। साल भर के त्यौहारों पर मिठाई, कपड़े और लड़के वालों के यहां चलने वाले रिवाजों के अनुसार सामान भेजना पड़ता है। शादी की वर्षगांठ हो तो भी उपहारों में कमी नहीं आनी चाहिए। अब चलिए इस दम्पति के बच्चा हुआ।

संघ-भाजपा में तालमेल से जुड़े सुखद संकेत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के 25 साल बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुयालय के अंगने में पहुंचकर संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार और दूसरे सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के स्मारक स्मृति मंदिर में श्रद्धांजलि दी, जिससे संघ एवं भाजपा के बीच एक नई तरह की ऊर्जामयी सोच एवं समझ विकसित हुई है। एक नई प्राणवान ऊर्जा का सूरज उगा है, नये संकल्पों को पंख लगे हैं। संघ के सौ वर्ष पूरे करने के ऐतिहासिक अवसर पर मोदी ने सही कहा कि संघ भारत की अमर संस्कृति का आधुनिक अक्षय वट है, जो निरंतर भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना को ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 34 मिनट की संबोधन में देश के इतिहास, भक्ति आंदोलन, इसमें संतों की भूमिका, संघ की नि:स्वार्थ कार्य प्रणाली, देश के विकास, युवाओं में धर्म-संस्कृति, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, शिक्षा, भाषा और प्रयागराज महाकुंभ की चर्चा करते हुए जहां नये बन रहे भारत की बानगी प्रस्तुत की, वही संघ की उपयोगिता एवं महत्व को चार-चांद लगाये। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की इस पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं तो दूरगामी परिदृश्य भी है। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास को अनुभव किया गया था, वह संवाद, समझ, सकारात्मक सोच व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में भाजपा व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ेगी, जिससे देश हिन्दू राष्ट्र के रूप में सशक्त होते हुए विश्व गुरु बनने के अपने संकल्प को पूरा कर सकेगा। वसुधैव कुटुम्बकम के भारत के उद्घोष को अधिक सार्थक करते हुए दुनिया के लिये एक रोशनी बनेगा।

यह सर्वविदित है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ की रीति-नीतियों से भली-भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण एवं अहंकारी बयानों से भाजपा का कद संघ से बड़ा बताने की कोशिशें हुई थी, जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक एवं खटास देखी गई। जिसका असर लोकसभा चुनाव में चार सौ पार के लक्ष्य पर पड़ा, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ एवं दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों-नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। इसका असर आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका को लेकर देखने को मिलेगा, ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। आने वाले समय में भाजपा के लिये संघ का सहयोग पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में अपनी जमीन मजबूत करने एवं जड़े जमाने में मील का पत्थर साबित होगा। इन राज्यों में संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है। यानी दोनों अब सामंजस्य, सहयोग व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात भाजपा अब अपने वैचारिक एवं ऊर्जा स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। मोदी की नागपुर यात्रा के अनेक शुभ संकेत देखे जा रहे हैं, इसको औरंगजेब, राणा सांगा, संभल विवाद के बीच हिन्दुत्व की राजनीति को नई धार देने की कोई योजना के साथ जोड़कर भी देखा जा रहा है, नरेन्द्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत की इस मुलाकात को 2029 के चुनावों की कोई नई पटकथा तैयार करने की पृष्ठभूमि में भी देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के संघ मुख्यालय के दौरे पर जहां विपक्ष बौखला रहा है वहीं इस यात्रा ने संघ के भीतर भी कई लोगों को सुखद आश्चर्य में डाल दिया है। मोदी दीक्षाभूमि भी गए, जहां डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर ने 1956 में अपने हजारों अनुयायियों के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था। उन्होंने दीक्षाभूमि की सामाजिक न्याय और दलितों को सशक्त बनाने के प्रतीक के रूप में सराहना करते हुए डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के सपनों के भारत को साकार करने के लिए और भी अधिक मेहनत करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहरा कर सबका दिल जीत लिया। मोदी की ओर से नागपुर में अपने संबोधन के दौरान संघ की भरपूर प्रशंसा को अपने वैचारिक मार्गदर्शक के प्रति भाजपा के रुख में आये बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। मोदी ने संघ की 'राष्ट्र निर्माण और विकास में रचनात्मक भूमिका' को रेखांकित करके अपनी '2047 तक विकसित भारत' की योजनाओं में संघ की भूमिका के महत्व को भी दर्शाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ मेले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए भी स्वयंसेवकों को श्रेय दिया था। इसके अलावा, हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों पर आरएसएस द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने पर लगाए गए प्रतिबंध को भी हटा दिया गया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन-संकल्पों एवं विचार-ऊर्जा के जिस आंगन में आठ वर्ष की आयु में कदम रख कर जीने की कला सीखी। उस संघ से संस्कार ग्रहण कर ही उनके दिल में राष्ट्रभक्ति की ज्योति प्रज्वलित हुई। उसी संघ के आंगन में नरेन्द्र मोदी के जाने पर अलग-अलग कयास लगाने एवं स्तरहीन राजनीति करने की जरूरत नहीं है। इस पर ज्यादा आश्चर्य भी जताने का कोई औचित्य इसलिये नहीं है कि कोई अपने घर, अपने संस्कार-भूमि एवं अपनी पवित्र पाठशाला में गया है। संघ उनकी राजनीति की आत्मा तो है ही, जीवन-संस्कारदाता भी है। उनका संघ से रिश्ता दशकों पुराना है। नरेन्द्र मोदी के साथ संघ भी हमेशा चट्टान की तरह खड़ा रहा है। खुद को संघ के प्रचारक मानने वाले मोदी समय-समय पर संघ की तारीफ करने में नहीं चूकते। हाल ही में तीन बड़े मौके आये जब मोदी ने अपने जीवन को सही मार्गदर्शन देने के लिए संघ का आभार जताया और इस सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन की भरपूर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री ने नागपुर में भी संघ को एक ऐसे संगठन के रूप में संदर्भित किया जिसने 'समर्पण और सेवा के उच्चतम सिद्धांतों को कायम रखा।' निश्चित ही संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वयंसेवी गैर-राजनीतिक संगठन है। हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा उसका मूल उद्देश्य है। संघ की स्थापना राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो रही थी, हिन्दू समाज पर रह-रह की हमले हो रहे थे, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास से हिन्दू समाज भयभीत था एवं लगातार कमजोर हो रहा था, इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने का प्रयास संघ ने प्रभावी ढंग किया और यह उन अभिजात्य लोगों को बहुत पसंद नहीं आया, जिन्होंने अपनी सांस्कृतिक पहचान को त्याग कर अपनी विदेशी शिक्षा और पश्चिमी मूल्यों के सम्पर्क में पश्चिम की नकल करने के पक्ष?में थे। इन्हीं भारत विरोधी लोगों ने संघ पर तरह-तरह के प्रतिबंध भी लगाये, लेकिन उनके आरोप पूरी तरह निराधार पाये गये। संघ अपनी सकारात्मक सोच, सेवा एवं समर्पण के बल पर निरन्तर आगे बढ़ता रहा। संघ का एक ही भाव था कि बतौर राष्ट्र भारत पुन: सशक्त स्थिति में आए जहां वह दुनिया का मार्ग दर्शन कर सके लेकिन इसके लिए पहले भारतीय समाज का रूपांतरण होना जरूरी था। समाज के रूपांतरण के लिए?संघ ने दैनिक शाखाओं के जरिए व्यक्ति निर्माण का काम शुरू किया था। संघ के स्वयं सेवक एवं 40 से अधिक परियोजनाएं जीवन के हर क्षेत्र में सेवा करके मां भारती की सेवा कर रहे हैं। कौन नहीं जानता कि 1947 में संघ के स्वयंसेवकों ने कश्मीर सीमा पर बगैर किसी प्रशिक्षण के पाकिस्तान सेना की गतिविधियों पर नजर रखी थी और पाकिस्तान से जान बचाकर आए शरणार्थियों के लिए?शिविर लगाए, भोजन की व्यवस्था की थी। 1962 में भारत-चीन हमले के दौरान सैनिक आवाजाही मार्गों की यातायात व्यवस्था, रसद और आपूर्ति में मदद स्वयंसेवकों ने की थी। सेवा के साथ-साथ राष्ट्रीयता के मजबूत इरादों की तमाम चुनौतियों के बावजूद संघ लगातार विस्तार पाते हुए वृक्ष से वटवृक्ष बनने की ओर अग्रसर है।

कभी अन्नदाता तो कभी आमलोगों को रुलाता टमाटर

यह कैसी विडंबना है कि टमाटर की खेती करने वाले काश्तकारों को आज टमाटर की लागत तो दूर तुड़वाई के पैसे भी नहीं मिल पा रहे हैं। मध्य प्रदेश की मण्डियों से आ रहे समाचार केवल मध्यप्रदेश के टमाटर उत्पादक किसानों की ही पीड़ा व्यक्त नहीं कर रहे अपितु देश की अधिकांष मण्डियों में टमाटर के भाव औंधे मुंह गिर गए हैं। कुछ समय पहले ही गृहणियों की रसोई में टमाटर का तड़का मुश्किल हो गया था और टमाटर के खुदरा भाव 200 रु. प्रति किलो को छू गए थे आज वहीं टमाटर देश की किसी किसी मण्डी में तो एक रु. प्रति किलो से भी कम में बोला जा रहा है। ऐसे में किसान अपनी बदनसीबी के आंसू बहाते हुए सड़कों पर फेंकने, पशुओं को खिलाने या मण्डियों में बिखेरने को मजबूर हो रहे हैं। आज गली मौहल्ले में फेरी लगाकर बेचने वाले सब्जी विक्रेता ही 10 से 15 रु. किलों में टमाटर बेच रहे हैं। खुदरा में टमाटरों के भाव कम होने से आम नागरिकों को तो तात्कालीक फायदा हो रहा है पर उत्पादक किसान अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है। यह केवल इस बार की ही समस्या नहीं है अपितु प्रतिवर्ष इस तरह के हालातों से किसानों को दो चार होना पड़ता है। देखा जाएं तो टमाटर ना कोई से दोस्ती और ना कोई से प्रेम वाली कहावत को चरितार्थ करता रहा है। साल में मौका मिलने पर पहले आमनागरिकों को रुलाता है तो फिर आमलोगों को थोड़ी राहत देते हुए उत्पादक काश्तकारों को रुलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता। लगभग यही स्थिति प्याज की कई सालों से चली आ रही है। जहां तक टमाटर के उत्पादन की बात है तो भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक टमाटर उत्पादन करने वाला देश है। टमाटर के उत्पादन में भी चीन पहले पायदान पर है तो तुर्की, अमेरिका, मिस्त्र तीसरे, चौथे और पांचवें पायदान पर है। कहने को तो यह कहा जाता है कि टमाटर का उद्गम देश दक्षिणी अमेरिका, पश्चिमी तटीय प्रदेश माना जाता है।

मैक्सिको से टमाटर सारी दुनिया में पहुंचा है। टमाटर धीरे धीरे रसोई का प्रमुख उपयोगी बन गया। यह भी माना जाता है कि 16 वीं शताब्दी में पुर्तगाली खोजकर्ताओं के साथ टमाटर ने हमारे देश में प्रवेश किया और आज यह घर घर की जरुरत बन गया। इसे विलायती भंटा या विलायती बैंगन भी कह कर पुकारा जाता रहा है। छत्तीसगढ़ के जशपुर टमाटर देश की सबसे बड़ी मण्डी मानी जाती है तो आंध्र प्रदेश टमाटर का सर्वाधिक उत्पादक प्रदेश माना जाता है। वैसे टमाटर की पैदावार समूचे देश में होती है और टमाटर के सहउत्पाद खासतौर से टमाटर कैचअप, टमाटर सॉस, टमाटर सूप आदि से कंपनियां बारे न्यारे कर रही हैं। जहां तक टमाटर की गणित समझने का सवाल उठता है विशेषज्ञों का मानना है कि टमाटर की खेती में काश्तकार की एक से दो लाख रु. तक की लागत प्रति एकड आती है और यह भी माना जाता है कि सामान्य परिस्थितियों में 400 से 420 क्विंटल टमाटर की पैदावार काश्तकार प्रति एकड़ तक ले लेते है। अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक बरसात और ओलावृष्टि से सबसे अधिक टमाटर की फसल प्रभावित होती है। कीट प्रकोप के कारण भी टमाटर की पैदावार पर सीध असर पड़ता है। सबसे अधिक चिंतनीय बात यह है कि जब टमाटर की फसल तैयार होकर बाजार में आती है तो टमाटर की भावों में तेजी से गिरावट आने लगती है। इसका व्यापारी दोहरा लाभ उटाते हैं। एक तो ज्यादा से ज्यादा टमाटरों की खरीद कर निजी कोल्ड स्टोरेज में जमा कर देते हैं और मौके बेमौके बाजार में कृतिम अभाव पैदा कर दोहरा लाभ कमा लेते हैं। इसके अलावा बड़ी मात्रा में टमाटर के सहउत्पाद तैयार करने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां बुवाई से पहले ही काश्तकारों से सौदा कर लाभ उठाती है। खैर यह विषयांतर होगा। टमाटर उत्पादक किसान तुड़वाई या मण्डी तक पहुंचाने की लागत भी नहीं मिलने से किसान परेशान है तो किसान इन हालातों को देखते हुए टमाटर के भी न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करने और सरकारी खरीद की दबी जुवान से बात करने लगे हैं। खैर यह तो अलग बात हुई पर कहीं ना कहीं सरकार को भी साल दर साल होने वाले ऐसे हालातों को देखते हुए किसानों और आमलोगों के हित का रोडमेप बनाना ही होगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि जब सड़कों पर टमाटर बिखरे मिलते हैं तब भी सरकार की साख प्रभावित होती है तो जब टमाटर के भाव आसमान छूने लगते हैं तब भी सरकार की साख पर सीधा सीधा असर पड़ता है। राजनीतिज्ञ भूले नहीं होंगे प्याज के भावों में उतार-चढ़ाव का असर सरकारों के आने और जाने से जुड़ा रह चुका है। सवाल यह है कि सरकार को टमाटर या इसी तरह की जल्द खराब होने वाले उत्पादों के रखरखाव और एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने के लिए कोल्ड स्टोरेज और कोल्ड स्टोरेज युक्त परिवहन वाहनों की संख्या बढ़ानी होगी। सरकार ने भले ही किसानों के उत्पादों को लाने ले जाने के लिए ट्रेन सेवा शुरु कर दी है पर अभी इस दिशा में तेजी से काम करने की आवश्यकता है। देश में फूड पार्क बनाने की दिशा में तेजी लानी होगी। सबसे ज्यादा जरुरी सरकार को तत्काल बाजार हस्तक्षेप की और ध्यान देना होगा। एक विंग ऐसी होनी चाहिए कि जो बाजार में मांग और उपलब्धता पर नजर रखे और समय रहते काश्तकारों के लिए जब जरुरत हो तब और आमलोगों के लिए जब जरुरत हो तब कदम उठाएं ताकि किसान, मण्डी और आमलोगों के हितों की रक्षा की जा सके। अब तो यह भी साफ हो गया है कि बाजार में कब अधिक माल आयेगा तो कब किल्लत वाल स्थिति होगी। जब सब कुछ सामने है तो दीर्घकालीन नीति बनाकर दोनों के हितों को ध्यान में रखना होगा।

तेज रफ्तार में डिवाइडर से टकराई स्कूटी, पीछे बैठी 2 नाबालिगों के सिर और पैर में आईं चोटें

रायपुर में सड़क हादसे में युवती का सिर-धड़ से अलग

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में खतरनाक सड़क हादसा हुआ है। एक्सीडेंट में स्कूटी सवार युवती का सिर धड़ से अलग हो गया है। स्कूटी तेज रफ्तार में थी, जिससे अनियंत्रित होकर डिवाइडर के एंगल से टकरा गई। हादसे में 2 नाबालिग लड़कियां घायल हो गई हैं। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार मृतका का नाम आलिया खान (18) पिता रमजान खान है, जो टिकरापारा के चौरसिया कॉलोनी की रहने वाली थी। कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। तीनों लड़कियां बोरियाखुर्द से कमल विहार की तरफ घूमने जा रही थी। हादसा कैमरे में कैद हो गया है।

चौरसिया कॉलोनी की रहने वाली हैं लड़कियां: हादसा बुधवार शाम करीब 4 बजे का है। तीनों लड़कियां चौरसिया कॉलोनी टिकरापारा की रहने वाली हैं। इनमें से 18 साल की आलिया खान पिता रमजान खान स्कूटी चला रही थी। वहीं 14 साल की आलिया खान पिता इमरोज़ खान और बुशरा खान पिता अलाउद्दीन खान(17) गाड़ी में पीछे बैठी हुई थी।

तेज रफ्तार में थी स्कूटी: फुटेज में दिख रहा है कि स्कूटी तेज रफ्तार में थी, तभी गाड़ी अचानक बेकाबू हो गई। स्कूटी जाकर डिवाइडर में टकराई, जिससे स्कूटी चला रही आलिया का सिर डिवाइडर में लगे एंगल से जा टकराया। उसका सिर धड़ से अलग हो गया। आलिया के शरीर से तेजी से खून निकलने लगा।

वहीं साथ में पीछे बैठी लड़कियों के पैर और सिर पर चोट आई है, जिससे वे भी घायल हो गईं। हादसे के बाद राहगीरों ने तत्काल पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। इसके बाद टिकरापारा पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

घायलों की हालत सामान्य: टिकरापारा थाना प्रभारी विनय सिंह का कहना है कि मृत युवती का शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। साथ ही घायलों की हालत सामान्य है। इस मामले में जांच पड़ताल की जा रही है।

भूपेश बोले- मेरी राजनीतिक हत्या की जा रही है

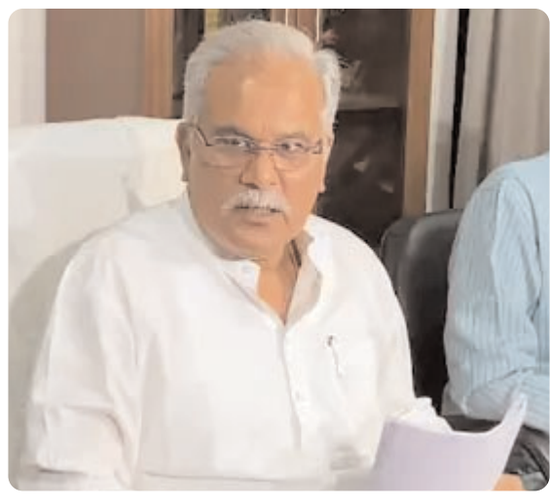

कहा- CD कांड में CBI को कुछ नहीं मिला, तो अब नया खेल शुरू हुआ

CBI ने महादेव सट्टा ऐप मामले में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आरोपी बनाया है। इस पर भूपेश बघेल ने कहा कि सेंट्रल एजेंसियां मेरी राजनीतिक हत्या करना चाहती हैं, शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना चाहती हैं।

उन्होंने कहा कि 18 दिसंबर 2024 को FIR हुई थी, लेकिन इसे 1 अप्रैल 2025 को सार्वजनिक किया गया। बघेल ने सवाल किया कि अगर महादेव ऐप इलीगल है तो अब तक बंद क्यों नहीं किया गया? और अगर लीगल है तो प्रोटेक्शन मनी का कोई सवाल ही नहीं उठता।

उन्होंने कहा कि CBI की FIR में मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर का नाम उनके बाद है, लेकिन जिनके नाम से पूरा संचालन हो रहा है, शुभम सोनी, उसका नाम FIR में नहीं है।

बघेल ने कहा कि इस मामले में FIR तो 18 दिसंबर 2024 को दर्ज हो चुकी थी, लेकिन इसे सार्वजनिक करने में पूरे साढ़े तीन महीने लगा दिए गए। 1 अप्रैल 2025 को अचानक इसे सार्वजनिक किया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि FIR ED और CBI के बीच इधर-उधर घूम रही है, लेकिन भारत सरकार के पास ऑनलाइन गैंबलिंग को लेकर कोई ठोस कानून ही नहीं है।

"अगर बेटिंग लीगल है, तो प्रोटेक्शन मनी का सवाल ही नहीं उठता। और अगर ये इलीगल है, तो महादेव ऐप अभी तक चालू कैसे है?"

भूपेश बघेल ने FIR में दर्ज नामों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि FIR में सबसे पहले रवि उप्पल का नाम है, 6वें नंबर पर उनका (भूपेश बघेल) नाम, और 8वें नंबर पर सौरभ चंद्राकर का नाम है। लेकिन शुभम सोनी - जो खुद को इस पूरे रैकेट का मालिक बताता है, सोनी के सिर्फ एक बयान के आधार पर उन्हें आरोपी बना दिया गया, लेकिन असली मास्टरमाइंड को बचाया जा रहा है।

कथावाचक प्रदीप मिश्रा पर उठाए सवाल: पूर्व सीएम ने बीजेपी नेताओं के साथ कथावाचक प्रदीप मिश्रा की मुलाकात पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "महादेव ऐप से करोड़ों का सट्टा चल रहा है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। विष्णुदेव साय खुद कथावाचक प्रदीप मिश्रा से मिलकर आए, लेकिन उनसे कोई पूछताछ नहीं हुई। आखिर बीजेपी सरकार किसे बचा रही है?"

छत्तीसगढ़ में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने 30 दिन की छूट

30 अप्रैल तक जमा कर सकेंगे टैक्स, नगरीय प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने की तारीख बढ़ा दी गई है। अब पब्लिक 30 अप्रैल तब बिना किसी सर चार्ज के संपत्ति कर जमा कर पाएंगे। नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग के अवर सचिव आनंद कुमार पटेल ने आदेश जारी किया है।

आदेश में कहा है कि, 2024-25 में लोकसभा चुनाव के दौरान परिसीमन और मतदाता सूची के कार्य में नगर निगम और नगर पालिका के कर्मचारियों को ड्यूटी लगाई गई थी। जिस कारण निकायों में राजस्व वसूली के कार्य प्रभावित रहे। इसलिए विशेष छूट के तहत टैक्स जमा करने की तारीख बढ़ाई गई है।

नगरी प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देशित किया है। निकाय के कर्मचारी घर-घर जाकर संपत्ति कर ले और नागरिकों ऑनलाइन टैक्स जमा करने के लिए प्रेरित करें।

जिन लोगों ने 31 मार्च 2024 टैक्स जमा नहीं किया है। वे अगले 30 दिनों में अपना टैक्स जमा कर सकते हैं। करदाताओं के पास बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के टैक्स जमा करने का यह आखरी मौका होगा। इसके बाद 1 मई 2025 से नियमानुसार सरचार्ज के साथ वसूली होगी।

अमित शाह के दौरे से पहले नक्सली शांति वार्ता को तैयार, सेंट्रल कमेटी बोली-सरकार ऑपरेशन रोके

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो गए हैं। नक्सलियों के केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने एक पर्चा जारी किया है। अभय ने लिखा कि, पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रुकती है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं।

इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसी भी प्रकार की सार्थक वार्ता के लिए तैयार है। बशर्ते इसके लिए कोई शर्त न हो। नक्सली वास्तव में मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं तो उन्हें वार्ता की शर्तों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना होगा।

शर्मा ने कहा कि वार्ता का स्वरूप ढ्ढस्ढ्ढस् जैसी किसी कट्टरपंथी विचारधारा की तर्ज पर नहीं हो सकता। अगर कोई चर्चा करना चाहता है, तो उसे भारतीय संविधान की मान्यता स्वीकार करनी होगी। संविधान को नकारते हैं और समानांतर व्यवस्था थोपने की कोशिश करते हैं, तो वार्ता का कोई औचित्य नहीं रहता।

दरअसल, नक्सली नेता अभय ने तेलगु भाषा में पर्चा जारी किया है। इसमें लिखा है कि, 24 मार्च को हैदराबाद में संगठन की एक बैठक हुई थी। जिसमें बिना किसी शर्त के शांति वार्ता के लिए आगे आने और बातचीत कर युद्धविराम की घोषणा करनी चाहिए इस पर बात हुई।

अभय ने लिखा है कि, छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने शांति वार्ता के लिए पहल की थी। जब हमारे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य और माओवाद संगठन के प्रतिनिधि विकल्प ने शांति वार्ता के लिए अपनी शर्त रखी थी कि जवानों को कैंप तक ही रखा जाए।

पर्चे में लिखा है ऑपरेशन को बंद किया जाए, जिसके बाद बातचीत करेंगे। इन शर्तों का जवाब दिए बगैर लगातार ऑपरेशन चलाए गए। पिछले 15 महीने में हमारे 400 से अधिक नेता, कमांडर, पीएलएजी के कई स्तर के लड़ाके मारे गए। सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार किया गया और उन्हें जेल में डाल दिया गया है।

अभय ने लिखा है कि, ऐसे में अब जनता के हित में हम सरकार से शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। नक्सली लीडर अभय ने कहा कि, इस मौके पर हम केंद्र और राज्य सरकार के सामने शांति वार्ता के लिए सकारात्मक माहौल बनाने का प्रस्ताव रख रहे हैं।

अभय ने लिखा है कि, इसके लिए हमारा प्रस्ताव है कि केंद्र और राज्य सरकारें छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र (गढ़चिरौली), ओडिशा, झारखंड, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में ऑपरेशन के नाम पर हत्याओं और नरसंहार को रोकें। नए सशस्त्र बलों के कैंप की स्थापना रोकें।

अगर केंद्र और राज्य सरकारें इन प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देती हैं, तो हम तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर देंगे।

शाह का दावा- 2026 तक खत्म कर देंगे नक्सलवाद: इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 को छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंच से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दों। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे।वहीं, उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह की डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

राहुल गांधी को छत्तीसगढ़ की ग्राउंड रिपोर्ट देंगे जिलाध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। 3 अप्रैल को राहुल गांधी छत्तीसगढ़ के सभी जिलाध्यक्षों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान बूथ से लेकर जिले की रिपोर्ट AICC को देंगे। कांग्रेस अब संगठन को नए तरीके से मजबूत करने की रणनीति बना रही है। लगातार चुनावी हार के बाद पार्टी जिलास्तर तक अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटी है। कल 3 अप्रैल को राहुल गांधी छत्तीसगढ़ के सभी जिलाध्यक्षों से मुलाकात करेंगे। इस दौरान बूथ से लेकर जिले की रिपोर्ट AICC को देंगे।

इस बैठक में जिलाध्यक्ष सीधे राहुल को ग्राउंड रिपोर्ट देंगे यानि संगठन की असल स्थिति से लेकर राजनीतिक समीकरणों तक, सबकुछ। लेकिन बड़ा सवाल ये है कि क्या हाईकमान का यह सीधा दखल प्रदेश के नेताओं की ताकत कम करेगा? या फिर यह कांग्रेस के नए संगठन मॉडल की शुरुआत है?

राहुल गांधी कांग्रेस के संगठन को जिलास्तर से लेकर हाईकमान तक फिर से मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसके तहत, वे पहली बार सीधे जिलाध्यक्षों से संवाद कर रहे हैं। 27 मार्च से देशभर के अलग-अलग राज्यों से जिलाध्यक्षों को बुलाया गया था, ताकि पार्टी की ग्राउंड रिपोर्ट सीधे हाईकमान तक पहुंचे। अब, कल 3 अप्रैल को छत्तीसगढ़ कांग्रेस के जिलाध्यक्षों से मुलाकात होगी, जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद रहेंगे।

उनकी योजना संगठन में पावर डिस्ट्रीब्यूशन को बैलेंस करने की भी है, ताकि जिलास्तर पर नेताओं को ज्यादा ताकत मिले, लेकिन हाईकमान की पकड़ भी बनी रहे।

बूथ स्तर तक कांग्रेस को मजबूत करने के इस फॉर्मूले से राहुल प्रदेश नेतृत्व के असर को कम करते हुए संगठन की सीधी मॉनिटरिंग करना चाहते हैं। इससे गुटबाजी पर रोक लग सकती है, लेकिन प्रदेश के बड़े नेताओं की भूमिका कमजोर भी हो सकती है।

बूथ से लेकर पूरे जिले की रिपोर्ट लेकर जा रहे जिलाध्यक्ष

रायपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने बताया कि जिले में बूथ से लेकर सेक्टर, जोन कमेटी और ब्लॉक अध्यक्षों की जो सूची तैयार की गई है, साथ ही यहां की संपत्तियों से संबंधित सारी जानकारी भी AICC से मंगाई गई है।

उन्होंने कहा, हम साल 2024 से लेकर अब तक हुए सभी कार्यक्रमों की रिपोर्ट देंगे, जिसमें धरना-प्रदर्शन और बैठकों का विवरण भी शामिल होगा।'

जमानत पर सुनवाई से पहले लखमा अरेस्ट,कवासी बोले- आवाज उठाने पर सरकार कर रही परेशान

शराब घोटाला केस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को श्वष्ठ के बाद अब ईओडब्लयूने गिरफ्तार किया है। EOW ने लखमा से पूछताछ के लिए स्पेशल कोर्ट में प्रोडक्शन वारंट की मांग की थी, जिस पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने लखमा को 7 अप्रैल तक रिमांड पर भेज दिया है।

वहीं कवासी लखमा ने कोर्ट के बाहर मीडिया से कहा कि, मैं गरीब आदमी हूं। बस्तर की आवाज विधानसभा में उठाता हूं। जनता की आवाज और बस्तर की आवाज उठाने पर सरकार मुझे परेशान कर रही है। मैं निर्दोष हूं। गरीब आदमी हूं।

वहीं लखमा के वकील फैजल रिजवी ने बताया कि, गुरुवार को हाईकोर्ट में लखमा की जमानत याचिका पर सुनवाई होनी थी। इससे पहले ही सुनियोजित तरीके से EOW ने पूछताछ के लिए एप्लिकेशन लगाया और कोर्ट ने रिमांड पर भेज दिया। लखमा 16 जनवरी 2025 से जेल में बंद हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री बघेल के घर भी पड़ा था छापा: छत्तीसगढ़ के 2161 करोड़ के शराब घोटाले में पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बाद श्वष्ठ ने 10 मार्च को पूर्व सीएम भूपेश बघेल, उनके करीबी नेताओं और कारोबारियों के 14 ठिकानों पर छापेमारी की थी। सुबह 7 बजे से शुरू हुई जांच शाम 6 बजे तक 11 घंटे चली।

करीब 20 ईडी अफसरों की टीम CRPF के जवानों के साथ सीधे पदुम नगर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री के निवास में कार्रवाई चली और टीम शाम 6 बजे टीम लौट गई थी।

ED का आरोप- लखमा सिंडिकेट का अहम हिस्सा थे: श्वष्ठ का आरोप है कि, पूर्व मंत्री और मौजूदा विधायक कवासी लखमा सिंडिकेट के अहम हिस्सा थे। लखमा के निर्देश पर ही सिंडिकेट काम करता था। इनसे शराब सिंडिकेट को मदद मिलती थी। वहीं, शराब नीति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे छत्तीसगढ़ में FL-10 लाइसेंस की शुरुआत हुई।

श्वष्ठ का दावा है कि लखमा को आबकारी विभाग में हो रही गड़बड़ियों की जानकारी थी, लेकिन उन्होंने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया।

कमीशन के पैसे से बेटे का घर बना, कांग्रेस भवन निर्माण भी

ED के वकील सौरभ पांडेय ने बताया कि, 3 साल शराब घोटाला चला। लखमा को हर महीने 2 करोड़ रुपए मिलते थे। इस दौरान 36 महीने में लखमा को 72 करोड़ रुपये मिले। ये राशि उनके बेटे हरीश कवासी के घर के निर्माण और कांग्रेस भवन सुकमा के निर्माण में लगे।

ED ने कहा था कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले से सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ है। शराब सिंडिकेट के लोगों की जेबों में 2,100 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध कमाई भरी गई।

घोटाले की रकम 2161 करोड़: निदेशालय की ओर से लखमा के खिलाफ एक्शन को लेकर कहा गया कि, श्वष्ठ की जांच में पहले पता चला था कि अनवर ढेबर, अनिल टुटेजा और अन्य लोगों का शराब सिंडिकेट छत्तीसगढ़ राज्य में काम कर रहा था। इस घोटाले की रकम 2161 करोड़ रुपए है।

जांच में पता चला है कि कवासी लखमा को शराब घोटाले से पीओसी से हर महीने कमिशन मिला है। 2019 से 2022 के बीच चले शराब घोटाले में श्वष्ठ के मुताबिक ऐसे होती थी अवैध कमाई।

हाथी ने महिला को पटक-पटककर मार डाला

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में हाथी ने महुआ बीनने जंगल गई पहाड़ी कोरवा महिला को पटक-पटककर मार डाला। हाथी महिला को पैरों से भी कुचला है, जिससे शरीर पर गहरे जख्म हैं। वहीं मृतिका के पति सहित अन्य ग्रामीणों ने भागकर जान बचाई। मामला शंकरगढ़ वन परिक्षेत्र के नावापारा का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतिका का नाम गिद्दी पहाड़ी कोरवा (50) है, जो जगिमा पंचायत की निवासी की निवासी थी। वहीं अगर बलरामपुर जिले में हाथी हमले की बात करें तो पिछले 3 दिनों में हाथियों ने 3 लोगों को मार डाला है। हाथियों की मौजूदगी से लोग दहशत में हैं।

दरअसल, 2 अप्रैल यानी बुधवार सुबह को महिला गिद्दी अपने पति सुखू लाल कोरवा और ग्रामीणों के साथ जंगल गई थी। जंगल में सभी लोग महुआ बीन रहे थे, तभी सुबह करीब 6.30 बजे हाथी पहुंचा। इस दौरान महिला महुआ बीनने में बिजी थी, वह हाथी को अपने ओर आता देख नहीं पाई।

महिला ने जैसे ही हाथी को देखा वह हड़बड़ा गई। मौके से भाग नहीं पाई, जबकि पति और ग्रामीण आवाज लगाते रहे। हाथी ने पति और ग्रामीणों के सामने ही महिला को कुचल-कुचलकर और पटक-पटककर मार डाला। वह कुछ नहीं कर पाए।

महिला के पति सुखू लाल ने बताया कि महुआ बीनने के लिए जंगल में झाला (झोपड़ीनुमा घर) बनाए हैं। उनके साथ ग्रामीण भी महुए के पेड़ों के पास झाला बनाकर रखे हैं। वहीं वे रात को भी रुकते हैं। हाथी ने ग्रामीणों को जमकर दौड़ाया। हाथी ने महिला को सूंड से पकड़ लिया और उठाकर पटक दिया।

सुखू लाल ने बताया कि हाथी ने उसकी पत्नी के सिर के बाल भी उखाड़ दिए। पटके जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने शोर मचाया तो हाथी वापस जंगल में घुस गया। इसकी सूचना वन विभाग के कर्मियों को दी गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की समीक्षा

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के सुगम आवागमन और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए प्रदेश की शत-प्रतिशत बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर कार्रवाई करें। सभी जिलों में सड़कों की आवश्यकता का वैज्ञानिक आधार पर सर्वे सुनिश्चित कर कार्य-योजना बनाई जाए। सड़कों की आवश्यकता के संबंध में विधायकों और पंचायत प्रतिनिधियों का अभिमत अवश्य लिया जाए। राज्य सरकार अगले तीन वर्ष में सभी बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मध्य प्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क

योजना के कार्यों की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री श्री प्रह्लाद पटेल, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अतिवृष्टि, बाढ़ तथा अन्य कारणों से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत और उनके उन्नयन की आवश्यकता के प्रति सतर्क रहते हुए, तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जाए। सड़कों के रख-रखाव और नियमित निरीक्षण में मोबाइल एप, जियो टैगिंग तथा एआई टेक्नॉलोजी का उपयोग कर इसे अधिक प्रभावी बनाया जाए। सड़कों पर वर्तमान यातायात का सर्वे कर उन्नयन और लेन विस्तारीकरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

पर सेना ने 5 घुसपैठिए मार गिराए

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। हालांकि, इसे लेकर सेना का आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना मंगलवार शाम को पुंछ में नियंत्रण रेखा पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई। एलओसी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे गए। फायरिंग और ब्लास्ट को लेकर सेना से दैनिक भास्कर ने बात की। सेना ने कहा- एक अप्रैल को एलओसी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। इसके कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया।

ऑर्गन डोनेशन पर सरकारी कर्मचारियों को 42 दिन की छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए ऑर्गन डोनेशन (अंगदान) पर 42 दिन की स्पेशल कैजुअल लीव देने का प्रावधान किया है। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस संबंध में जानकारी दी। यह छुट्टी सर्जरी के टाइप पर निर्भर नहीं करेगी और इसे सरकारी डॉक्टर की सिफारिश पर अधिकतम 42 दिनों तक लिया जा सकता है। यह आमतौर पर अस्पताल में भर्ती होने के दिन से शुरू होगी, लेकिन जरूरत पड़ने पर सर्जरी से एक सप्ताह पहले भी ली जा सकती है। यह प्रावधान 2023 में कार्मिक मंत्रालय के आदेश के तहत लागू किया गया था, जिससे ऑर्गन डोनेशन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मेडिकल लीव और मैटरनिटी बेनिफिट्स- महिलाओं को 6 महीने की मैटरनिटी लीव और पुरुषों को 15 दिन की पैटरनिटी लीव दी जाती है। गंभीर बीमारी या दुर्घटना की स्थिति में लंबी मेडिकल लीव की सुविधा पेंशन और ग्रेच्युटी- सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन, ग्रेच्युटी और पीएफ की सुविधा। न्यू पेंशन स्कीम के तहत हर महीने वेतन से कुछ पैसे कटते हैं, जिसे रिटायरमेंट के बाद पेंशन के रूप में दिया जाता है।

लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को कुलगुरु ने गद्दी पर बैठाया

उदयपुर (एजेंसी)। मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ को कुलगुरु डॉ. वागीश कुमार गोस्वामी ने बुधवार को गद्दी पर बैठाया। मंत्रोच्चारण और शंखनाद के बीच यह रस्म निभाई गई। इसके बाद लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने अपने कुलगुरु समेत तमाम संत-महात्माओं का आशीर्वाद लिया। गद्दी की पूजा-अर्चना कर विराजमान होने के बाद लक्ष्यराज सिंह ने श्रीएकलिंगनाथजी की तस्वीर पर फूल चढ़ाकर आशीर्वाद लिया। धूणी दर्शन किए। इसके बाद अश्व पूजन किया। शाम को उन्होंने एकलिंगनाथजी मंदिर में दर्शन किए। यहां शोक भंग की रस्म निभाई गई, जिसमें पगड़ी का रंग बदला गया।

लालू की तबीयत बिगड़ी, दिल्ली रवाना

पटना (एजेंसी)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव की तबीयत बीते 2 दिनों से बिगड़ गई है। बुधवार की शाम वे फ्लाइट संख्या एआई 2522 से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। उनके साथ राबड़ी देवी भी मौजूद हैं। इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने पिता लालू प्रसाद को लेकर पारस हॉस्पिटल पहुँचे थे। जहां डॉक्टर्स की एक टीम ने उनका हेल्थ चेकअप किया। इसके बाद वे राबड़ी आवास के लिए निकल गए। तेजस्वी यादव ने बताया था, %आज शाम नॉर्मल फ्लाइट से ही उन्हें दिल्ली ले जाया जाएगा।

वक्फ संशोधन बिल पर लोकसभा में चर्चा

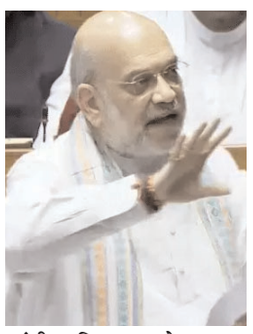

नई दिल्ली (एजेंसी)। अल्प संख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में पेश किया। किरण रिजिजू ने इसे उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) नाम दिया है। बिल को केंद्र की सरकार में शामिल टीडीपी, जेडीयू और एलजेपी ने समर्थन दिया। शिवसेना यूबीटी सांसद अरविंद सांसद ने अपने भाषण में ये क्लियर नहीं किया कि वे बिल के पक्ष में है या विरोध में। गृह

मंत्री अमित शाह ने कहा- वक्फ में गैर इस्लामिक नहीं आएगा। ऐसा कोई प्रोविजन भी नहीं है। वोट बैंक के लिए माइनॉरिटीज को डराया जा रहा है। शाह ने कहा- एक सदस्य ने कह दिया कि यह बिल माइनॉरिटीज स्वीकार नहीं करेंगी। क्या धमकी दे रहे हो भाई। संसद का कानून है, स्वीकार करना पड़ेगा। बिल पर चर्चा में रिजिजू ने 58 मिनट अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली आप सरकार ने 5 मार्च 2014 को 123 प्राइम प्रॉपर्टी को दिल्ली वक्फ बोर्ड को ट्रांसफर कर दीं। ऐसा लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अल्पसंख्यक वोटों के लिए किया गया, पर चुनाव हार गए। रिजिजू ने कहा- अगर हमने आज यह संशोधन बिल पेश नहीं किया होता, तो जिस इमारत में हम बैठे हैं।

अखिलेश बोले- इतनी बड़ी भाजपा, अध्यक्ष नहीं चुन पा रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में हो रही देरी पर तंज कसा। अखिलेश ने कहा- भाजपा में एक मुकाबला चल रहा है कि कौन बड़ा है। जो पार्टी यह कहती हो कि वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, वह यह नहीं तय कर पा रही कि पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा। इस पर गृह मंत्री अमित शाह अपनी सीट से उठे और हंसते हुए कहा- सामने जितनी पार्टियां हैं, उनका राष्ट्रीय अध्यक्ष सिर्फ 5 लोगों को चुनना है, परिवार को। हमारे यहां करोड़ों लोग हैं। समय तो लगेगा ही। अखिलेश जी ने यह बात हंसते हुए कही, इस वजह से मैं भी हंसते हुए कह रहा हूं। आपके (अखिलेश के) यहां जरा भी देर नहीं लगेगी। मैं कहता हूं आप 25 साल तक अध्यक्ष हो.. जाओ..। इसके बाद अखिलेश ने हंसते हुए फिर कहा- अभी जो यात्रा हुई है नागपुर की और गुपचुप जो सोशल मीडिया पर चल रही है। वह 75 साल के एक्सटेंशन की यात्रा तो नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी 30 मार्च को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रम में शामिल होने नागपुर गए थे। अखिलेश का इशारा इसी दौरे को लेकर था।

लोन नहीं मिलने पर बैंक से लूटा 17 किलो सोना

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के दावणगेरे जिले के एक शख्स ने लोन नहीं मिलने पर बैंक से 17 किलो सोना लूट लिया। पुलिस ने बताया- चोरी का मुख्य आरोपी विजयकुमार (30 साल) आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। उसने अगस्त 2023 में सीसीटीवी बैंक में 15 लाख रुपए के लोन के लिए अप्लाई किया था, लेकिन उसका एप्लिकेशन रिजेक्ट हो गया। इससे नाराज होकर उसने बैंक से 13 करोड़ रुपए का सोना लूटा। पुलिस ने कहा- आरोपी विजयकुमार को स्पैनिश क्राइम ड्रामा सीरीज मनी हाइस्ट से चोरी का आइडिया आया। इसके बाद उनके यूट्यूब वीडियो देखकर 6-9 महीने में बैंक लूट की प्लानिंग की। बैंक लूटने में उसने भाई अजयकुमार, बहनोई परमआनंद और तीन अन्य साथी अभिषेक, चंद्रु और मंजूनाथ की भी मदद ली। पुलिस ने फिलहाल सभी 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बैंक चोरी का बनाया सटीक प्लान, कई बार प्रैक्टिस की पुलिस ने बताया कि आरोपी विजयकुमार ने बैंक लूटने से पहले अपने 5 साथियों के साथ मिलकर कई महीने प्लानिंग की। विजयकुमार और चंद्रू ने कई बार बैंक की रेकी की। उन्होंने रात को सुनसान खेतों से बैंक तक जाने की मॉक ड्रिल की ताकि पुलिस और आम लोगों की मूवमेंट का अंदाजा ना हो सके।

इसके बाद गैंग ने खिड़की से बैंक में एंट्री ली। साइलेंट हाइड्रोलिक आयरन कटर और गैस-कटिंग टूल्स का इस्तेमाल करके बैंक के लॉकर तोड़े। किसी ने भी फोन का इस्तेमाल नहीं किया।

शाह के दौरे से पहले नक्सली शांति वार्ता को तैयार

जगदलपुर (एजेंसी)। अमित शाह के बस्तर दौरे से पहले ही नक्सली शांति वार्ता करने के लिए तैयार हो गए हैं। नक्सलियों के केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने एक पर्चा जारी किया है। अभय ने लिखा कि, पिछले 15 महीनों में उनके 400 साथी मारे गए हैं। अगर नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन रुकती है, तो हम शांति वार्ता के लिए तैयार हैं। इस पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार किसी भी प्रकार की सार्थक वार्ता के लिए तैयार है। बशर्ते इसके लिए कोई शर्त न हो। नक्सली वास्तव में मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं तो उन्हें वार्ता की शर्तों को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करना होगा।

शर्मा ने कहा कि वार्ता का स्वरूप आईएसआईएस जैसी किसी कट्टरपंथी विचारधारा की तर्ज पर नहीं हो सकता। अगर कोई चर्चा करना चाहता है, तो उसे भारतीय संविधान की मान्यता स्वीकार करनी होगी। संविधान को नकारते हैं और समानांतर व्यवस्था थोपने की कोशिश करते हैं, तो वार्ता का कोई औचित्य नहीं रहता। दरअसल, नक्सली नेता अभय ने तेलगु भाषा में पर्चा जारी किया है।

कांग्रेस बोली- महायुती के नेताओं को गजनी सिंड्रोम हुआ

मुंबई (एजेंसी)। किसानों की कर्जमाफी को लेकर महाराष्ट्र कांग्रेस ने महायुति सरकार पर चुनावी वादे से पलटने का आरोप लगाया। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने बुधवार को कहा कि बीजेपी-शिवसेना-एनसीपी गठबंधन 'गजनी सिंड्रोम' से पीड़ित है। वे किसानों की कर्जमाफी का अपना चुनावी वादा भूल चुके हैं। उन्होंने कहा कि बजट सत्र में भी कर्जमाफी और महिलाओं को पैसे देने को लेकर कोई ठोस फैसला नहीं लिया गया। सिर्फ जनता को असली मुद्दों से दरकिनार कर औरंगजेब के मकबरे जैसे विषयों से ध्यान भटकाने की कोशिश की गई। कांग्रेस की चेतावनी- अगर कर्जमाफी नहीं हुई तो आंदोलन करेंगे अब कांग्रेस ने महायुती सरकार को चेतावनी दी है कि अगर सरकार किसानों की कर्जमाफी को लेकर ठोस कदम नहीं उठाती, तो किसान आंदोलन होगा। सपकाल ने कहा, सरकार को बुआई सीजन से पहले किसानों का कर्ज माफ करना चाहिए, या फिर केंद्र से स्पेशल राहत पैकेज लेना चाहिए। अजीत पवार ने कर्जमाफी से इनकार किया था इससे पहले 29 मार्च को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने राज्य की आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए कर्जमाफी से इनकार किया था। उन्होंने कहा था कि राज्य की आर्थिक स्थिति इसकी इजाजत नहीं देती और किसानों को समय पर अपने कर्ज की किश्तें चुकानी चाहिए।

कुणाल कामरा को तीसरा समन, 5 अप्रैल को बुलाया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर पैरोडी सॉन्ग मामले में कॉमेडियन कुणाल कामरा को पुलिस ने तीसरा समन भेजा है। उन्हें 5 अप्रैल को खार पुलिस स्टेशन में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। इससे पहले पुलिस कामरा को 2 समन भेज चुकी है। इधर, मंगलवार को कुणाल कामरा मद्रास हाईकोर्ट में पेश हुए। उन्होंने दावा किया कि पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है, इसलिए उन्हें ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी जाए। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदर मोहन ने कामरा को ट्रांजिट अग्रिम जमानत दे दी। इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट ने कामरा को 7 अप्रैल तक की अग्रिम जमानत दी थी। कामरा ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर की। इसका शीर्षक था एक्स 'एक कलाकार को खत्म करने की स्टेप-बाय-स्टेप गाइड'। कामरा ने लिखा- कामरा वर्तमान में तमिलनाडु में हैं।

एमएनएस कार्यकर्ताओं ने शिवसेना का बोर्ड फाड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिल बोर्ड में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और कुंभ मेले के शिवसैनिकों की तस्वीर लगाई गई थी। साथ ही इस पर लिखा गया था कि यह (कुंभ) हिंदुओं के लिए एकता का क्षण था। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के कुंभ मेले में गंगा जल की शुद्धता पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि यह कैसा धर्म है, अगर हम अपने प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट कर रहे हैं। इस पर शिवसेना ने मंगलवार को राज ठाकरे के घर के पास एक बड़ा बिलबोर्ड लगाया था। इस बोर्ड पर लिखा था कि गंगा का जल शुद्ध है, पर क्या आपके विचार शुद्ध हैं। बुधवार सुबह एमएनएस कार्यकर्ता बिलबोर्ड को हटाने पहुंचे। उन्होंने बिल बोर्ड वहां से हटाकर फाड़ दिया। इस दौरान उन्होंने राज ठाकरे के पक्ष में नारेबाजी भी की। दरअसल, ये पोस्टर शिवसेना (शिंदे गुट) के दादर से नेता सदा सरवणकर के बेटे समाधान सरवणकर की ओर से लगाया गया था। बिल बोर्ड में डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और कुंभ मेले के शिवसैनिकों की तस्वीर लगाई गई थी। साथ ही इस पर लिखा गया था कि यह (कुंभ) हिंदुओं के लिए एकता का क्षण था।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने 30 मार्च को औरंगजेब कब्र विवाद की निंदा की थी। राज ने कहा कि लोग वॉट्सऐप पर फॉरवर्ड मैसेज से इतिहास न पढ़ें, सोशल मीडिया से नहीं, विश्वसनीय जगहों से इतिहास पढ़ें। उन्होंने कहा, इतिहास के नाम पर लोगों को लड़ाया जा रहा है, राजनेता इन मुद्दों को हवा दे रहे हैं ताकि विवाद को बढ़ाकर फायदा उठाया जा सके। हमें नदियों और पेड़ों की चिंता नहीं है, हम औरंगजेब की कब्र की फिक्र कर रहे हैं।

पटियाला में आईफोन के लिए दोस्त की हत्या

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब के पटियाला में एक दोस्त ने अपने 17 वर्षीय दोस्त की हत्या कर दी और उसका शव अपने साथी की मदद से रेलवे ट्रैक पर फेंक दिया। हत्यारे ने नाबालिग का गला घोंटा फिर उसकी छाती पर किरच से वार किए। मरने वाले का नाम नवजोत है। नवजोत अपने दादा के साथ चाय की दुकान पर काम करता था। आरोपी ने हत्या को हादसा दिखाने की कोशिश की। नाबालिग लड़का घर से जन्म दिन मनाकर दोस्तों के साथ हरिद्वार घूमने जाने की बात कह कर गया था। आरोपी ने जन्म दिन वाले दिन से अगले दिन नाबालिग को मौत के घाट उतार दिया। इस केस में थाना जीआरपी पटियाला की पुलिस ने धारा 103, 238,309(6)बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी मुताबिक नवजोत सिंह का 17वां जन्मदिन था। उन्होंने पंजाब के पटियाला में परिवार के साथ जश्न मनाया और एक दिन बाद अपने दोस्तों के साथ घूमने निकल गए।

जयपुर ब्लास्ट की साजिश में शामिल आतंकवादी गिरफ्तार

जयपुर (एजेंसी)। दरअसल, 30 मार्च 2022 को राजस्थान के निंबाहेड़ा में 12 किलो आरडीएक्स के साथ तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया था। इनमें जुबेर पिता फकीर मोहम्मद, अल्तमस खान और सरफुद्दीन उर्फ सेफुल्ला थे। यह सभी जयपुर में सीरियल ब्लास्ट के लिए कार से आरडीएक्स ले जा रहे थे। इन्होंने साजिश में शामिल 11 आतंकियों के नाम बताए थे। फरार आतंकी फिरोज की तलाश के लिए

पूर्व में कई बार एनआईए रतलाम में दबिश दे चुकी थी। मंगलवार (1 अप्रैल) रात को रतलाम एसपी अमित कुमार को इनपुट मिला था कि फिरोज आनंद कॉलोनी में उसके घर आया है। एएसपी राकेश खाका की टीम ने उसे अरेस्ट कर लिया। बताया जा रहा वह ईद मनाने अपने घर आया था।

रतलाम एसपी अमित कुमार ने बताया- मुखबिर से सूचना मिली कि आतंकी फिरोज पिछले एक महीने से रतलाम में है और यहां कुछ बड़ा करने वाला है। हमने प्लान करके बुधवार तड़के 4.30 बजे आनंद कॉलोनी में उसके रिश्तेदार के घर से पकड़ा है। इस दौरान उसने धक्का-मुक्की कर भागने की कोशिश की।

मंडला में पुलिस-नक्सली मुठभेड़, दो महिला नक्सली ढेर

मंडला (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के मंडला जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। अधिकारियों के मुताबिक, इसमें दो महिला नक्सली मारी गई हैं। मुठभेड़ बुधवार सुबह करीब 6 बजे बिछिया थाना क्षेत्र के मुंडिदादर और गन्हेरिदादर के जंगल में हुई। सर्चिंग के दौरान मुठभेड़ स्थल से एक एसएलआर, एक भरमार बंदूक, वायरलेस सेट और दैनिक जरूरत का सामान मिला है। पुलिस के मुताबिक, मारी गई नक्सलियों में से एक छत्तीसगढ़ और दूसरी महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की रहने वाली है। दोनों पर 14-14

लाख रुपए का इनाम घोषित था। इससे पहले 19 फरवरी को बालाघाट के गढ़ी थाना इलाके में हुई मुठभेड़ में चार महिला नक्सली मारी गई थी। ये सभी कान्हा भोरमदेव एबी डिवीजन खटिया मोर्चा दलम की सदस्य थी। इनमें से एक आशा पर 14 लाख का इनाम था। बालाघाट मुठभेड़ में मारी गई नक्सली कमांडर आशा वेश बदलने में माहिर थी।

वह पिछले 6 साल से पुलिस को चकमा दे रही थी। उसका काम महिलाओं को नक्सली संगठन से जोड़ना था। वह उनसे गोंडी में बात करती थी। वह फर्राटेदार अंग्रेजी भी बोल लेती थी। गोरिल्ला वॉर में ट्रेंड आशा को पकड़ना पुलिस के लिए चुनौती थी। पुलिस जब-जब एनकाउंटर कर नक्सलियों को खत्म करती, आशा कुछ ही समय में नई टीम तैयार कर लेती।

अर्शदीप सिंह ने बताया आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स का क्या है लक्ष्य?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भरोसा है कि उनकी टीम इस बार अपने फैंस को जश्न मनाने का भरपूर मौका देगी। अर्शदीप सिंह ने जियो हॉटस्टार के विशेष शो जनरल बोल्ड में कहा कि, इस बार हम पंजाब के फैंस को जश्न मनाने की एक वजह देंगे। मैं नजर नहीं लगाना चाहता, लेकिन वास्तव में मैं बहुत उत्साहित हूं। इस साल हम जिस तरह का क्रिकेट खेलने जा रहे हैं उसे देखकर फैंस रोमांचित हो जाएंगे। वहीं अर्शदीप संह ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स का लक्ष्य बताया। अर्शदीप सिंह ने आईपीएल में अब तक 66 मैच में 78 विकेट लिए हैं। वह भारत के लिए 63 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में 99 विकेट ले चुके हैं। अर्शदीप सिंह ने बताया कि, मैं इस सीजन को लेकर बहुत उत्साहित हूं। ऊर्जा शानदार है और ड्रेसिंग रूम का माहौल अविश्वसनीय है। हम उन सभी फैंस को आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने 17 वर्षों तक हमारा समर्थन किया है। हम उन्हें एक यादगार सीजन देने की पूरी कोशिश करेंगे। हमारा लक्ष्य सिर्फ 16 मैच खेलना, खिताब जीतना और चंडीगढ़ में उनके साथ ओपन बस परेड के साथ जश्न मनाना है।

साउथ अफ्रीका के व्हाइट बॉल कोच ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका के व्हाइट-बॉल हेड कोच रॉब वाल्टर महीने के अंत में अपने पद से हट जाएंगे। वाल्टर ने व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा दिया है। इसे क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने स्वीकार कर लिया है। मार्च 2023 से इस पद पर काबिज वाल्टर ने आईसीसी टूर्नामेंट में साउथ अफ्रीका की हालिया सफलताओं में अहम भूमिका निभाई है। वाल्टर के कार्यकाल में प्रोटियाज ने 2024 में पहली बार आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचकर इतिहास रचा। बारबाडोस में भारत से हारने के बाद उपविजेता रहे। लगातार आठ जीत दर्ज की। साउथ अफ्रीका की टीम भारत में हुए वनडे वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल खेली। वाल्टर के कोच रहते साउथ अफ्रीका 36 वनडे और 31 टी20 मैच खेली। नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज जीती। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी साउथ अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंची। लाहौर में न्यूजीलैंड ने उसे हराया।

वहीं सीएसए की रिलीज के अनुसार वाल्टर ने कहा कि, प्रोटियाज को कोचिंग देना सम्मान की बात है। हमने साथ मिलकर जो हासिल किया है उस पर मुझे बेहद गर्व है। इस पूरे सफर में खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और साउथ अफ्रीकी क्रिकेट समुदाय शानदार रहे हैं। हालांकि, अब मेरे लिए टीम से हटने का समय आ गया है, लेकिन मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि टीम आगे बढ़ती रहेगी और और भी ज्यादा ऊंचाइयों को छुएगी।

एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने ऋषभ पंत पर निशाना साधा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीबीकेएस की चौतरफा जीत के बाद, एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने पीबीकेएस के कप्तान श्रेयस अय्यर से मुलाकात की, जिन्होंने मैच विजयी पारी खेली और उन्हें गले लगाकर लंबी बातचीत की। इस बातचीत को देखकर सोशल मीडिया पर हलचल मच गई, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि क्या गोयनका अय्यर को पीबीकेएस से लाकर एलएसजी में शामिल करने की कोशिश कर रहे थे।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में आईपीएल के इतिहास में चौथी बार पंजाब किंग्स ने लगातार दो जीत के साथ सीजन में दमदार पकड़ बनाए रखी है। मार्च में गुजरात टाइटन्स को रोमांचक मैच में हराने के बाद अब लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को उसके ही स्टेडियम में पंजाब ने मात दी है। पंजाब किंग्स ने आठ विकेट से जीत दर्ज की है। इस जीत के साथ पंजाब की जीत की लय भी जारी है। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स पॉइंट्स टेबल पर दूसरे स्थान पर बनी हुई है।

पीबीकेएस की चौतरफा जीत के बाद, एलएसजी के मालिक संजीव गोयनका ने पीबीकेएस के कप्तान श्रेयस अय्यर से मुलाकात की, जिन्होंने मैच विजयी पारी खेली और उन्हें गले लगाकर लंबी बातचीत की। इस बातचीत को देखकर सोशल मीडिया पर हलचल मच गई, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि क्या गोयनका अय्यर को पीबीकेएस से लाकर एलएसजी में शामिल करने की कोशिश कर रहे थे।

इस मैच में आईपीएल इतिहास के दो सबसे महंगे खिलाड़ियों- श्रेयस अय्यर (26.75 करोड़) और ऋषभ पंत (?27 करोड़) के बीच मुकाबला भी देखने को मिला। लेकिन जीत अय्यर की हुई, जबकि पंत का प्रदर्शन एक बार फिर फीका रहा। एलएसजी के कप्तान ने पांच गेंदों पर केवल दो रन बनाए, इस सत्र में उनकी खराब शुरुआत जारी रही, जिसमें उन्होंने तीन पारियों में 26 गेंदों पर केवल 17 रन बनाए हैं।

अय्यर के साथ बातचीत के बाद, गोयनका को पंत के साथ गंभीर बातचीत करते हुए देखा गया, जो

पिछले सीज़न में केएल राहुल के साथ उनकी चर्चा के समान थी। अपनी बातचीत के दौरान, गोयनका कई मौकों पर पंत पर अपनी उंगलियाँ हिलाते हुए नज़र आए, जिससे खराब प्रदर्शन करने वाले एलएसजी कप्तान पर संभावित आंतरिक दबाव की अफ़वाहों को बल मिला।

इस हार के साथ, एलएसजी ने अपने पहले तीन मैचों में से दो मैच गंवा दिए हैं, और टूर्नामेंट के शुरुआती चरणों में मजबूत छाप छोड़ने में विफल रही है। अगर टीम को अपनी किस्मत बदलनी है तो उसे जल्द ही संभलना होगा और अपनी बल्लेबाजी की समस्याओं पर काम करना होगा। वहीं, पीबीकेएस अपने खेल के शीर्ष पर बनी हुई है और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की शुरुआती पसंदीदा टीम के रूप में उभर रही है। जैसे-जैसे सीज़न आगे बढ़ेगा, सभी की नज़रें एलएसजी और उनके नेतृत्व पर रहेंगी, जबकि पीबीकेएस को उम्मीद है कि वह अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखेगा।

एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए ऋषभ पंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का 13वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच खेला जा रहा है। इसमें पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी कनरे का फैसला लिया है जो कि अब तक टीम के लिए सही साबित हुआ है। पहले खेलते हुए लखनऊ की तरफ से कप्तान ऋषभ पंत की तरफ से बेहद ही शर्मनाक प्रदर्शन देखने को मिला। पंत के फ्लॉप शो को देखकर पंजाब किंग्स ने भी उनके मजे लिए।

दरअसल, आईपीएल का 18वां सीजन अभी तक ऋषभ पंत के लिए निराशाजनक रहा है। वह कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। इस मैच में पंत तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और तब टीम

काफी मुश्किल में थी। फैंस ने सोचा कि पंत इस मुश्किल स्थिति में टीम को संभालेंगे और अच्छी पारी खेलेंगे लेकिन उन्होंने सभी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। पंत 5 गेंद खेलकर महज 2 रन बनाकर आउट हो गए। ग्लेन मैक्सवेल ने उन्हें चलता किया। पंत अपने खराब प्रदर्शन के कारण लगातार सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल हो रहे हैं। पंजाब किंग्स ने भी इस मौके का फायदा उठाया और उनके मजे ले लिए।

पंजाब किंग्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें ग्लेन मैक्सवेल पंत के विकेट को सेलिब्रेट करते दिखे। फ्रेंचाइजी ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा कि, टेंशन लेने का नहीं देने का।

दिग्वेश राठी की बढ़ सकती है मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल 2025 का मैच खेला जा रहा है। जहां मैच की दूसरी पारी के दौरान मैदान पर एक अनोखा सेलिब्रेशन देखने को मिला। जिसने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। दरअसल, लखनऊ के युवा गेंदबाज दिग्वेश राठी ने प्रियांश आर्य का विकेट लेकर अलग तरीके से सेलिब्रेशन मनाया, जो अब चर्चा में है।

वहीं दिग्वेश राठी के इस सेलिब्रेशन को देखकर दिग्गज सुनील गावस्कर भड़क गए। साथ ही दिग्वेश राठी के इस सेलिब्रेशन को देखकर फैंस को विराट कोहली याद आ गए। दरअसल, पंजाब किंग्स की पारी के तीसरे ओवर में ये घटना हुई। उस ओवर की पांचवीं गेंद पर दिग्वेश राठी ने प्रियांश आर्य को शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच आउट करवाया। आर्य ने उनकी इस गेंद पर पुल शॉट लगाने की कोशिश की लेकिन गेंद हवा में गई और शार्दुल ने उनका कैच लपक लिया। इस विकेट को लेकर के बाद दिग्वेश राठी ने नोटबुक स्टाइल में सेलिब्रेशन किया। हालांकि, इसके तुरंत बाद ही अंपायर राठी से बात करते हुए दिखे और उन्हें इस सेलिब्रेशन के लिए वॉर्निंग दी।

दिग्वेश के इस सेलिब्रेशन को देखने के बाद फैंस को विराट कोहली याद आ गए। बता दें कि, कोहली ने साल 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान ऐसा सेलिब्रेशन किया था। हैदराबाद में कोहली ने 50 गेंदों पर नाबाद 94 रन की पारी खेली थी। उस मैच के दौरान कोहली ने विलियम्स के खिलाफ ही उनकी नोटबुक सेलिब्रेशन का इस्तेमाल किया था। उनके इस सेलिब्रेशन को देखकर फैंस कोहली को याद कर बैठे।

विराट कोहली ने संन्यास पर दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा समय में विराट कोहली के दुनिया भर में कई फैंस हैं। वह दुनिया के सबसे फिट खिलाड़ियों की लिस्ट में टॉप पर हैं। कोहली अभी करीब 36 साल के हैं। वे भारत के लिए चैंपियंस ट्रॉफी, वनडे विश्व कप और टी20 वर्ल्ड कप में खेल चुके हैं। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीत के बाद कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास पर काफी चर्चा चली। इस मसले पर कोहली ने जवाब दे दिया है। विराट ने एक इवेंट के दौरान बड़ा हिंट दिया।

वहीं विराट इन दिनों आईपीएल 2025 में व्यस्त हैं। वे रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का हिस्सा हैं। कोहली ने सीजन के पहले मैच में दमदार प्रदर्शन करते हुए अर्धशतक भी लगाया। कोहली ने इस बीच हाल ही में एक इवेंट में हिस्सा लिया था। विराट का इस इवेंट का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एंकर कोहली से पूछती है कि आपके लिए अगला बड़ा कदम क्या होगा? जिसके जवाब में कोहली कहते हैं कि, शायद वर्ल्ड कप 2027 जीतना। कोहली के जवाब ने संन्यास के सवाल पर लगाम लगा दिया है। उन्होंने इशारों इशारों में बता दिया कि फिलहाल संन्यास का इरादा नहीं है। अगले वर्ल्ड कप 2027 में खेला जाएगा।

ईशान किशन को नहीं मिलेगी बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैट में जगह, करना होगा अभी और इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट अभी जारी नहीं हुई है। लेकिन विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर अपडेट है कि वो A+ ग्रेड में बने रहने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि श्रेयस अय्यर को उनका कॉन्ट्रैक्ट वापस मिलने वाला है। इस बीच विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के भविष्य पर भी खबर सामने आई है। याद दिला दें कि पिछले वर्ष श्रेयस अय्यर और ईशान किशन दोनों को डोमेस्टिक क्रिकेट ना खेलने के कारण बीसीसीआई ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर कर दिया था।

स्पोर्ट्स तक के मुताबिक बीसीसीआई श्रेयस अय्यर को अपना कॉन्ट्रैक्ट वापस दे सकती है। दूसरी ओर ईशान किशन को कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए अभी इंतजार करना पड़ सकता है। किशन नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच में आखिरी बार भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते दिखे थे।

स्पोर्ट्स तक के हवाले से एक सूत्र ने बताया की, ईशान किशन को अभी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट वापस पाने के लिए इंतजार करना पड़ेगा। उन्होंने दिक्कतों को सुधार है लेकिन अभी तक वह प्रदर्शन नहीं कर सके हैं जिससे उन्हें सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में वापस लाया जा सके।

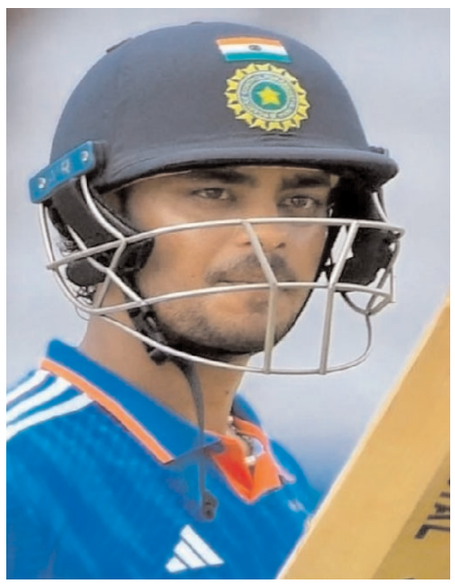

आईपीएल हैदराबाद विवाद-एसआरएच हैदराबाद क्रिकेट संघ को 3900 निःशुल्क पास देना जारी रखेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और हैदराबाद क्रिकेट संघ (एचसीए) ने मंगलवार को यहां हुई बैठक के बाद 3,900 निःशुल्क पास आवंटन जारी रखने के लिए आम सहमति पर पहुंच गए। एसआरएच ने रविवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और आईपीएल संचालन परिषद के हस्तक्षेप करने और एचसीए द्वारा बार-बार की जाने वाली 'ब्लैकमेलिंग' रणनीति को संबोधित करने की अपील की थी लेकिन राज्य संघ ने इस दावे से इनकार किया। एसआरएच ने आगे धमकी दी थी कि अगर एचसीए फ्रेंचाइजी को 'धमकी' देना जारी रखता है तो वे अपने घरेलू मैचों को दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने पर विचार करेंगे, मुख्य रूप से अतिरिक्त मानार्थ टिकटों के मुद्दे पर। मामले को सुलझाने के लिए एचसीए सचिव आर देवराज ने राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एसआरएच अधिकारियों के साथ बैठक की। चर्चा के लिए एसआरएच के प्रतिनिधि किरण, सरवनन और रोहित सुरेश मौजूद थे। एचसीए और एसआरएच ने एक संयुक्त बयान में कहा, ''चर्चा के दौरान फ्रेंचाइजी ने एसआरएच, एचसीए और बीसीसीआई के बीच मौजूदा त्रिपक्षीय समझौते का सख्ती से पालन करने का प्रस्ताव रखा तथा सुनिश्चित किया कि सभी वर्गों में उपलब्ध स्टेडियम क्षमता के दस प्रतिशत के अनुसार इन्हें आवंटित किया जाए।'' उन्होंने कहा, ''एचसीए ने बदले में प्रत्येक श्रेणी में पास के मौजूदा आवंटन को बनाए रखने का प्रस्ताव रखा जो वर्षों से चली आ रही प्रथा के अनुरूप है।'' इसके अनुसार, ''एसआरएच के मुख्य कार्यकारी अधिकरी षणमुगम के साथ गहन चर्चा और आगे की टेलीफोन चर्चा के बाद निम्नलिखित प्रस्ताव पर सहमति हुई। एचसीए को 3900 मानार्थ पास का आवंटन अपरिवर्तित रहेगा जो चली आ रही प्रथा के अनुरूप है।'' एचसीए ने एसआरएच को पेशेवर तरीके से आगे बढ़ने में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है। संयुक्त बयान में कहा गया, ''एचसीए और एसआरएच राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दर्शकों के अनुभव को बढ़ाने के लिए सौहार्दपूर्ण ढंग से मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

लखनऊ की पिच पर बरसे जहीर खान

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन मैचों में से दो हार चुकी लखनऊ सुपर जाइंट्स टीम के मेंटोर जहीर खान ने पंजाब किंग्स से मिली पराजय के बाद इकाना स्टेडियम की पिच की पर भड़ास निकालते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था कि पंजाब के क्यूरेटर ने इसे तैयार किया है।

असमान उछाल वाली पिच पर 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब ने प्रभसिमरन सिंह के 34 गेंद में 69 रन की मदद से आठ विकेट से जीत दर्ज की। जहीर ने मैच के बाद कहा ,'' मैं इसलिये थोड़ा निराश हूं कि यह घरेलू मैच था और आईपीएल में आपने देखा है कि टीमों को घरेलू मैदानों पर खेलने का फायदा मिलता है।''

उन्होंने कहा ,''इस लिहाज से मुझे लगता है कि क्यूरेटर ने यह नहीं सोचा कि यह घरेलू मैच है। ऐसा लग रहा था कि पंजाब के क्यूरेटर यहां थे।'' लखनऊ सुपर जाइंट्स से जुड़ने से पहले मुंबई इंडियंस के क्रिकेट

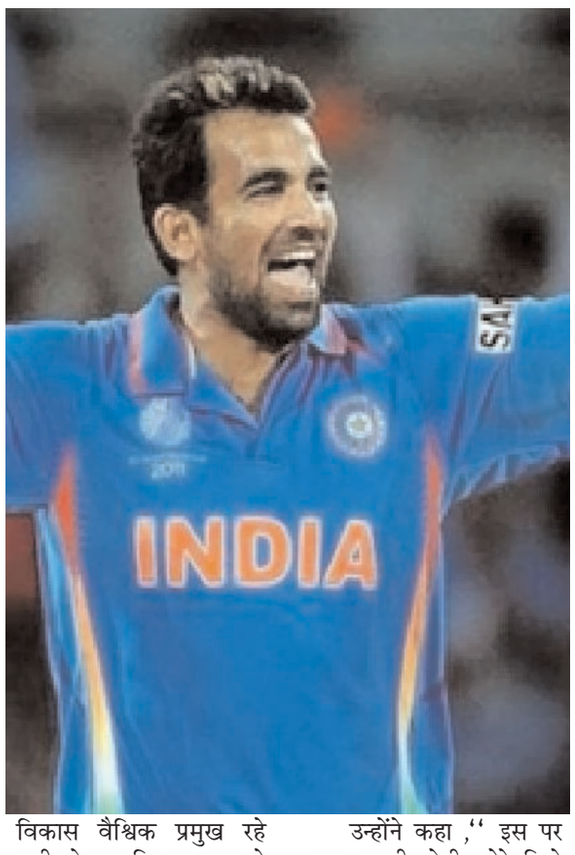

विकास वैश्विक प्रमुख रहे जहीर ने कहा कि इस वजह से घरेलू प्रशंसकों को अपनी टीम को जीतते देखने का मौका नहीं मिला।

उन्होंने कहा ,'' इस पर बात करनी होगी। मेरे लिये यह नयी टीम है लेकिन उम्मीद है कि आगे से किसी मैच में ऐसा नहीं होगा क्योंकि आप अपने प्रशंसकों को भी निराश कर रहे हैं। वे यहां पहला घरेलू मैच जीतते देखने की उम्मीद लेकर आये थे।'' उन्होंने कहा कि हार के बावजूद उनका फोकस नतीजों की बजाय प्रक्रिया पर रहेगा। उन्होंने कहा ,'' यह सत्र का तीसरा मैच है और हमने अक्सर बोला है कि टीम इस सत्र में कैसी है। हम प्रक्रिया पर फोकस कर रहे हैं, नतीजों पर नहीं। हमें कुछ पहलुओं पर काम करना होगा। '' भारत के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि कुछ खिलाड़ियों की चोटों को लेकर वह चिंतित नहनीं है और अच्छी बात यह है कि हार के बावजूद टीम ने प्रभाव छोड़ा है। उन्होंने कहा ,'' कुछ खिलाड़ी चोटिल हैं लेकिन हमारी टीम ने इस सत्र में सर्वाधिक विकेट लिये हैं। पहले दो मैचों में हमने 18 विकेट चटकाये। इस टीम ने अपनी छाप छोड़ी है। आप टीम में लीक से हटकर सोच, जुझारूपन , जीत की भूख देखना चाहते हैं और हम प्रशंसकों को यही देना चाहते हैं।

रीवा गैंगरेप केस के आठ दोषियों को उम्रकैद की सजा

5 महीने 12 दिन में फास्ट ट्रैक कोर्ट का फैसला

पति को बंधक बनाकर दुष्कर्म किया था

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के गुढ़ थाना क्षेत्र में पति को पेड़ से बांधकर महिला से गैंगरेप करने वाले 8 दोषियों को रीवा की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके साथ एक दोषी को 2 लाख 31 हजार और बाकी सभी पर 2 लाख 30 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं भरने पर सजा की अवधि एक साल बढ़ जाएगी।

घटना 21 अक्टूबर 2024 की है। पीड़ित दंपती भैरव बाबा मंदिर के दर्शन करने पहुंचा था। मंदिर से कुछ दूरी पर शराब के नशे में धुत आठ युवकों ने पहले पति को बंधक बनाया और उसकी बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद, पति के सामने ही महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पीड़िता की शिकायत पर गुढ़ थाना पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। अलग-अलग टीमों ने दबिश देकर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया।

फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चला: गुढ़ में हुई इस घटना को फास्ट ट्रैक कोर्ट में लाया गया और 5 महीने 12 दिन के भीतर सुनवाई पूरी कर ली गई। चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश पदमा जाटव की अदालत ने तथ्य प्रमाणित होने के बाद सभी आठ दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि, अभियोजक की तरफ से 24 सबूत पेश किए गए थे। जिनसे प्रथम दृष्टया गैंग रेप का अपराध सिद्ध होता है।

शराब दुकान के बाहर दो दिन से धरने पर बैठी महिलाएं, बोलीं-

जब तक दुकान नहीं हटेगी तब तक नहीं उठेंगे, चाहे जान चली जाये...

भजन-कीर्तन और नारेबाजी के साथ विरोध जारी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। करहिया मंडी के पास स्थित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर महिलाओं का धरना जारी है। वह पिछले 24 घंटे से धरने पर बैठी हुई हैं। इनमें अधिकांश आर्मी ऑफिसर्स के परिवार शामिल हैं। मौके पर आबकारी विभाग और पुलिस के अधिकारी महिलाओं को समझाने पहुंचे, लेकिन वे असफल रहे। महिलाओं का कहना है कि शराब दुकान के चलते इलाके में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ गया है। आए दिन शराबी सड़क पर हंगामा करते हैं और महिलाओं के साथ छेड़खानी की घटनाएं होती हैं। इसी के खिलाफ महिलाएं धरने पर बैठी हैं और तब तक नहीं हटने का ऐलान कर चुकी हैं। महिलाओं का कहना है कि जान चली जाए लेकिन तब तक नहीं हटेंगे, जब तक प्रशासन दुकान को हटाने का ठोस फैसला नहीं लेता।

'लाड़ली बहनों' की सुरक्षा की मांग: धरने पर बैठी महिलाओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से गुहार लगाई है। उन्होंने खुद को 'लाड़ली बहन' बताते हुए कहा कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। महिलाओं का कहना है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे अपना आंदोलन और तेज करेंगी।

धरना स्थल पर महिलाएं भजन-कीर्तन और नारेबाजी कर रही हैं। उनका कहना है कि शराब दुकान के चलते इलाके का माहौल खराब हो गया है और महिलाएं तथा बच्चियां घर से बाहर निकलने में असुरक्षित महसूस कर रही हैं।

महिला बोलीं- जीना मुश्किल हो गया: स्थानीय निवासी श्रद्धा मिश्रा ने बताया कि करहिया नंबर एक और सच्चा नगर कॉलोनी के लोग लंबे समय से इस समस्या से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि शराबी खुलेआम सड़क पर बैठकर शराब पीते हैं और नशे की हालत में घरों में घुसने की कोशिश करते हैं। वे खाली बोतलें घरों में फेंकते हैं और महिलाओं पर अश्लील कमेंट करते हैं।ममता तिवारी ने चेतावनी दी कि अगर जल्द से जल्द दुकान नहीं हटाई गई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

सैनिक परिवारों की भी परेशानी: सैनिक परिवारों की महिलाएं भी इस समस्या से जूझ रही हैं। श्रद्धा तिवारी के पति सूबेदार मेजर आर्मी में पदस्थ हैं। श्रद्धा ने कहा कि उनकी बेटियां अब घर से बाहर निकलने में डरती हैं। उन्होंने बताया कि कभी सड़क पर पत्थर रख दिया जाता है, तो कभी शराबी घरों के सामने आकर बैठ जाते हैं।

आबकारी अधिकारी बोले- वरिष्ठ कार्यालय भेजा आवेदन पत्र: धरने की सूचना मिलते ही सहायक आबकारी आयुक्त अनिल जैन मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्थानीय रहवासियों ने आवेदन पत्र दिया है, जिसे वरिष्ठ कार्यालय भेजा जाएगा। आवेदन पर जो भी निर्णय लिया जाएगा, उससे प्रभावित परिवारों को अवगत कराया जाएगा। हालांकि, प्रदर्शनकारी महिलाओं ने प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

प्रवेशोत्सव में राजस्व अधिकारियों ने विद्यार्थियों से की मुलाकात

एडीएम, एसडीएम और तहसीलदारों ने विद्यार्थियों को पढ़ाये पाठ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में स्कूल चलें हम अभियान के तहत सभी स्कूलों में प्रवेशोत्सव मनाया जा रहा है। अभियान के तहत राजस्व अधिकारियों द्वारा स्कूलों का निरीक्षण करने के साथ विद्यार्थियों से भेंट की जा रही है। भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कॅरियर के संबंध में मार्गदर्शन दिया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देशों के अनुसार जिले के राजस्व अधिकारियों ने विभिन्न स्कूलों का निरीक्षण कर विद्यार्थियों से संवाद किया। अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने शासकीय उमावि मार्तण्ड क्रमांक दो में विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें कॅरियर के संबंध में मार्गदर्शन दिया। अपर कलेक्टर ने कहा कि सभी विद्यार्थी कक्षा आठवीं के बाद से ही अपने कॅरियर का निर्धारण करके उसके अनुरूप पढ़ाई और तैयारी करें। लगन और परिश्रम से किए गए प्रयासों से लक्ष्य सरलता से प्राप्त होते हैं। इस अवसर पर नायब तहसीलदार यतीश शुक्ला ने भी विद्यार्थियों से संवाद किया।

इस क्रम में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोविंदगढ़ में आयोजित स्कूल चलें हम अभियान में भागीदारी निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों का तिलक और फूलमाला से स्वागत करके विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश कराया। संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले ने शासकीय गवर्मेंट स्कूल क्रमांक एक धोबिया टंकी में आयोजित प्रवेश उत्सव में भागीदारी निभाई। संयुक्त कलेक्टर ने विद्यार्थियों को कॅरियर के संबंध में मार्गदर्शन दिया तथा विद्यालय के पूर्व छात्र स्वर्गीय कैप्टन अजय पाल सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित किए। एसडीएम गुढ़ डॉ अनुराग तिवारी ने सीएम राइज स्कूल महसांव में आयोजित प्रवेश उत्सव में भाग लिया। भविष्य से भेंट के क्रम में डॉ तिवारी ने विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जल संरक्षण और नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई। इसके साथ-साथ अन्य राजस्व अधिकारियों ने भी स्कूलों में जाकर प्रवेशोत्सव में भागीदारी निभाई।

सौरभ शर्मा की जमानत के विरोध में कांग्रेस ने सीएम का पुतला फूंका

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को जमानत मिलने के बाद रीवा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री मोहन यादव का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस मौके पर तैनात रही।

कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि भाजपा के दबाव के चलते सौरभ शर्मा के खिलाफ तय समय पर चालान पेश नहीं किया गया, जिसके चलते उसे अदालत से जमानत मिल गई। कांग्रेस नेता राम कीर्ति शर्मा ने कहा कि सौरभ शर्मा को करोड़ों रुपए नकद और 56 किलो सोने के साथ पकड़ा गया था। उस समय यह दावा किया गया था कि जब्त की गई नकदी प्रदेश के भाजपा नेताओं और परिवहन विभाग के अधिकारियों की थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने एजेंसियों पर दबाव डालकर चालान दाखिल नहीं होने दिया, जिससे सौरभ शर्मा को जमानत मिल गई।

कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व के आह्वान पर पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।

रायपुर के रामसागर तालाब में जल संरक्षण का कार्य प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत रायपुर कर्चुलियान के रामसागर/मतहा तालाब में जल संरक्षण का कार्य प्रारंभ किया गया है। तालाब की मेंड व भराव क्षेत्र की साफ-सफाई कर गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने जल संरक्षण कार्य का निरीक्षण किया तथा उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

कलेक्टर ने कहा कि तालाब में पानी के आवक वाले स्थलों को साफ कराकर सुगम बनायें ताकि तालाब में पानी एकत्र हो। यदि आवक स्थल में अतिक्रमण हो तो उसे हटाने की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण अभियान में जनभागीदारी आवश्यक है। लोगों को श्रमदान के लिये प्रेरित करें तथा जागरूकता अभियान चलाकर जल संरक्षण के प्रति आमजनों को आगे लायें। कलेक्टर ने कहा कि प्राचीन जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार व सुधार के कार्य सहित नवीन कार्य भी करायें जांय। हरियाली बढ़ाने के लिये अन्य उपाय किये जाने की बात कलेक्टर ने कही। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम पीएस त्रिपाठी, तहसीलदार विनय मूर्ति, सीईओ जनपद रायपुर कर्चुलियान संजय सिंह सहित विभागीय अधिकारी व ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में जिला शांति समिति की बैठक में कलेक्टर व एसपी ने कहा-

शांति और सद्भाव के साथ सभी त्यौहार मनाएं, सभी त्यौहारों में सुरक्षा और यातायात के रहेंगे उचित प्रबंध

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 6 अप्रैल को रामनवमी तथा 10 अप्रैल को महावीर जयंती पर्वों के आयोजन के संबंध में व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने कहा कि जिले की परंपरा के अनुसार सभी त्यौहार शांति और सद्भाव से मनाए जाएंगे। प्रशासन द्वारा सभी त्यौहारों के दौरान सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था तथा अन्य सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। त्यौहार पूरे उल्लास और उत्साह से मनाएं। त्यौहार मनाते समय अनुशासन बनाए रखें। त्यौहारों की भीड़भाड़ का लाभ उठाकर कई बार असामाजिक तत्व अव्यवस्थाएं पैदा करने का प्रयास करते हैं। इनसे कड़ाई से निपटा जाएगा। शोभा यात्रा, चल जुलूस तथा अन्य सभी बड़े आयोजनों में सुरक्षा बल तैनात रहेंगे। इसके साथ-साथ आयोजक, प्रशासन और जनता को सहयोग देने के लिए अपने स्वयंसेवक भी परिचय पत्र देकर तैनात रखें। सबके सहयोग से व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने अपेक्षा की कि सभी त्योहार सौहार्द पूर्ण ढंग से शांतिपूर्वक भाई चारे की भावना के साथ मनाये जायेंगे। अपर कलेक्टर ने कहा कि विभिन्न त्यौहारों के दौरान नगर निगम प्रमुख मार्गों की साफ-सफाई कराएगा। नगर निगम द्वारा बिजली और पानी की भी समुचित व्यवस्था की जाएगी। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनकर ने कहा कि चल समारोहों, जुलूस तथा बड़े आयोजनों की सूचना एसडीएम कार्यालय तथा पुलिस थाने को अवश्य दें। जुलूस में किसी प्रकार का हथियार लेकर प्रदर्शन प्रतिबंधित रहेगा। आवेदन में जुलूस के मार्ग, समय तथा उसमें शामिल होने वाले व्यक्तियों और वाहनों की अनुमानित संख्या का उल्लेख अवश्य करें। त्यौहारों के दौरान सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों तथा नगर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में सुरक्षा के उचित प्रबंध किए जाएंगे। शांति समिति का विस्तार करने तथा सदस्यों को परिचय पत्र प्रदान करने के संबंध में चर्चा की गई।

बैठक में संयुक्त कलेक्टर पी.के. पाण्डेय ने विभिन्न त्यौहारों के दौरान की जाने वाली प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि रामनवमी का जुलूस 6 अप्रैल को महामृत्युंजय मंदिर किला परिसर से निकलेगा। जुलूस सिंधी चौराहा, प्रकाश चौराहा, अस्पताल चौराहा, सिरमौर चौराहा, कालेज चौराहा होते हुए कोठी कंपाउण्ड में समाप्त होगा। रामनवमी के संबंध में ही 5 अप्रैल को दोपहर दो बजे से इसी मार्ग पर बाइक रैली भी निकाली जाएगी। महावीर जयंती पर 10 अप्रैल को कटरा जैन मंदिर से सिंधी चौराहा होते हुए शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इसका समापन जैन मंदिर में ही होगा। बैठक में उपस्थित शांति समिति के सदस्यों ने विभिन्न त्यौहारों के आयोजन के संबंध में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में शांति समिति के सभी सदस्य तथा संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने रायपुर कर्चुलियान आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक-4 का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनवाड़ी में बच्चों के अनुपस्थित रहने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। कलेक्टर को अवगत कराया गया कि आंगनवाड़ी में मध्यान्ह भोजन व नाश्ता नियमित तौर पर नहीं दिया जाता। उन्होंने एसडीएम को संबंधित स्वसहायता समूह से जानकारी प्राप्त कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। आंगनवाड़ी में पोषण आहार की अनुपलब्धता को भी कलेक्टर ने गंभीरता से लिया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित ग्रामवासियों से अपेक्षा की कि वह भी यह देखें कि आंगनवाड़ी नियमित खुल रही है कि नहीं। बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करायें तथा प्राप्त होने वाले पोषण आहार की भी मानीटरिंग करें। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी वह स्थान है जहां बच्चों व गर्भवती माताओं की प्रारंभिक जांच व पोषण आहार भी मिलता है अतः इसके नियमित संचालन की मानीटरिंग ग्रामवासी अवश्य करें।

गुजरात के बनासकांठा स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुई दुर्घटना पर उप मुख्यमंत्री ने व्यक्त किया शोक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गुजरात के बनासकांठा में हुई दुर्घटना पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं को श्री चरणों में स्थान देने की ईश्वर से प्रार्थना की है और शोकाकुल परिजनों को इस कष्ट को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। साथ ही, दुर्घटना में घायल हुए श्रमिकों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गुजरात के बनासकांठा जिले में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से मध्यप्रदेश के श्रमिकों की असामयिक मृत्यु तथा कई श्रमिकों के गंभीर रूप से घायल होने की हृदयविदारक घटना अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। मध्यप्रदेश सरकार इस दुखद घड़ी में प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। गुजरात सरकार से समन्वय स्थापित कर हरसंभव सहायता सुनिश्चित की जा रही है। मध्यप्रदेश सरकार घायलों के इलाज और प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कलेक्टर ने भविष्य से भेंट कार्यक्रम में कलेक्टर ने विद्यार्थियों से किया संवाद

हिम्मत और मेहनत से लक्ष्य का निर्धारण कर विद्यार्थी अपनी पहचान बनायें - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्कूल चलें अभियान के दूसरे दिन शालाओं में भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत शासकीय सीएम राईज विद्यालय रायपुर कर्चुलियान में बच्चों से संवाद करते हुए कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने कहा कि हिम्मत और मेहनत से लक्ष्य का निर्धारण कर अपनी पहचान बनायें। उन्होंने पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी पूरी तन्मयता से भाग लेने की अपेक्षा विद्यार्थियों से की।

कलेक्टर ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं से सहज भाव में उनका लक्ष्य पूंछा तो किसी ने बताया कि वह डॉक्टर बनना चाहता है तो किसी ने इंजीनियर या सी.बी.आई. आफीसर। कलेक्टर ने कहा कि आप अपना लक्ष्य लेकर पूरी मेहनत और ईमानदारी से प्रयास कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये निर्धारित पाठ्यक्रम को जानकर प्रश्नपत्र व उसके पैटर्न का आकलन करें तथा मेहनत से पढ़ाई करते हुए उसे हासिल करें। उन्होंने बताया कि उनके बैच में भी कई ऐसे लोग थे जो अलग-अलग माहौल से आये थे मगर सबका एक ही लक्ष्य होना चाहिए अपना शत प्रतिशत देकर मंजिल हासिल करना।

कलेक्टर ने कहा कि विद्यार्थी जिस कक्षा में हैं वहां पूरी तन्मयता से पढ़ाई करें, स्मार्ट फोन का उपयोग पढ़ाई या सकारात्मक विषयों के लिये करें तथा खाली समय में अपने घर के काम में हाँथ बटायें और खेलकूद की गतिविधियों में भाग लें। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के द्वारा भी अपना स्वंय का व्यवसाय चुनकर विद्यार्थी आने वाले समय में अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं। इस क्षेत्र में भी शासन स्तर से काफी मदद की जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों को खुश रहने तथा जागरूक रहकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी पहचान बनाने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने बताया कि सीएम राईज विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद व अन्य गतिविधियों का संचालन होता है और हम उसमें शामिल होते है। विद्यालय में लाइब्रेरी की सुविधा भी है। विद्यार्थियों ने अपने परिजनों से मार्गदर्शन प्राप्त कर आगामी परीक्षाओं में भाग लेने के लिए सहयोग की बात बताई। उन्होंने बताया कि हम स्मार्ट फोन के माध्यम से ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल होते हैं तथा अपनी शंकाओं का समाधान भी प्राप्त करते हैं। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर, एसडीएम पीएस त्रिपाठी, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, सहित विद्यालय के प्राचार्य व शिक्षक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का तत्परता से निराकरण करें तथा आर्थिक सहायता के प्रकरणों का भुगतान करायें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मऊगंज कलेक्टर श्री संजय कुमार जैन ने टीएल बैठक में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा की। उन्होंने विभागवार लंबित शिकायतों को तत्परतापूर्वक समाधानकारक निराकरण करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की ग्रेडिंग में जिला काफी नीचे है अतः पूरी गंभीरता से एक-एक शिकायत को विभागीय अधिकारी परीक्षण कर संबंधित से संपर्क करते हुए निराकृत करें। पचास दिवस से अधिक शिकायतों को शीघ्र निराकृत करायें। उन्होंने निर्देश दिये कि दुर्घटना से पीड़ितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रकरण तत्काल बनाये तथा संबंधितों को उसका भुगतान करायें। बैठक में पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी व विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मऊगंज जिले में आयोजित हुआ भविष्य से भेंट कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। स्कूल चलें हम अभियान के द्वितीय दिवस पर मऊगंज जिले में विद्यालयों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों ने विभिन्न विद्यालयों में जाकर बच्चों से संवाद किया तथा उन्हें पढ़ाई के महत्व की जानकारी देते हुए प्रेरक प्रसंग भी सुनाये। शासकीय कन्या हाई स्कूल देवतालाब में एसडीएम बी.पी. पाण्डेय ने बच्चों से संवाद किया तथा उन्हें पुस्तकें भेंट की। इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी हनुमना अरूण कुमार त्यागी ने शासकीय हाई स्कूल चरैया में, बीपी मिश्रा कार्यपालन यंत्री ने शासकीय माडल स्कूल नईगढ़ी में, परियोजना अधिकारी निर्मला शर्मा ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फरहदा में बच्चों से संवाद करते हुए पुस्तकें भेंट की।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।